RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

मंगलवार 05 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :44 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 12 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 291 | गाजियाबाद, मंगलवार 05 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

लोकसभा में विपक्ष का बिहार एसआईआर पर हंगामा

शिबू सोरेन के सम्मान में राज्यसभा आज 11 बजे तक सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का सोमवार को 11वां दिन थौ। दोनों सदनों में सुबह 11 बजे से कार्यवाही शुरू हुई। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्पीकर ने पहले 2 बजे तक और फिर आज 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी।

लोकसभा में सोमवार केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया आज लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 और नेशनल एंटी-डोपिंग एक्ट (अमेंडमेंट) बिल, 2025 पेश करने वाले हैं। दोनों बिलों पर एक साथ चर्चा की जाएगी। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल का मकसद खेल संगठनों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाना है। वहीं, राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होने के बाद सिटिंग सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सांसदों ने उनके सम्मान में मौन रखा। इसके बाद सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए सस्पेंड कर दिया। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव पेश करने वाले थे। इस प्रस्ताव को लोकसभा से 30 जुलाई को मंजूरी मिल गई है।

सीएम योगी बोले- मालेगांव में जानबूझकर हिंदू नेताओं को फंसाया गया

● सहारनपुर में कहा- कांग्रेस-सपा गरीबों के साथ नहीं; जय श्रीराम के नारे लगे

सहारनपुर (एजेंसी)। सीएम योगी सोमवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी बांटे। इससे पहले योगी के मंच पर पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे लगे। योगी ने कहा- महाकुंभ की सफलता से विपक्ष परेशान है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों को परेशानी हो रही थी कि सनातन धर्म का गौरव इतना ऊंचा कैसे हो रहा? इन लोगों की संवेदना एक गरीब, एक नौजवान के साथ नहीं होती। इनको भारत की विरासत पर गौरव की अनुभूति नहीं होती। भारत और भारतीयता आगे बढ़ती है, तो इन्हें परेशानी होती है। लेकिन, आतंकी वारदात को संरक्षण देने में सपा-कांग्रेस आगे रहती है।

कांग्रेस का कृत्य देश के लिए अपराध- सीएम योगी ने कहा- मालेगांव विस्फोट में तत्कालीन कांग्रेस सरकार और उसके सहयोगी दलों ने हिंदू नेताओं को अभियुक्त बनाने की कोशिश की थी। एटीएस के खुलासे से सारे तथ्य सामने आ रहे हैं।

शिमला में 3 घरों पर लैंडस्लाइड

कोलडैम का पानी छोड़ने से पंजाब में भी अलर्ट, मनाली के सभी स्कूलों में छुट्टी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में बीते 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। शिमला जिले के रामपुर-कुशवा में सोमवार अलसुबह 3 बजे भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ। इससे 3 घरों और 3 हजार से ज्यादा सेब के पौधों को नुकसान हुआ है।

जिन 3 घरों पर मलबा गिरा, उनमें चरणदास, सुरजीत और राजीव कुमार के परिवार रहते हैं। ये परिवार रात में ही मकान छोड़ जान बचाकर भागने को मजबूर हुए।

बिलासपुर में सतलुज नदी पर बने कोल-डैम से दोपहर 1 बजे पानी छोड़ा गया। इससे सतलुज नदी में पानी का स्तर 4 से 5 मीटर बढ़ गया है। इसे देखते हुए हिमाचल से पंजाब तक के लोगों को अलर्ट किया गया है। सतलुज का पानी पंजाब के तलवाड़ा में प्रवेश करता है।

सेना के पर्वतारोहियों ने की पैंगोंग त्सो की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। देश के तीन प्रमुख पर्वतारोहण संस्थानों, जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान पहलगाम, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी और हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान दार्जिलिंग, के प्रशिक्षकों की एक संयुक्त टीम ने पैंगोंग त्सो क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। लद्दाख क्षेत्र में इस साहसिक अभियान का आयोजन और नेतृत्व कर्नल हेम चंद्र सिंह द्वारा किया गया। वह जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान पहलगाम में प्रिंसिपल हैं। यह भारत के पर्वतारोहण समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मोदी 6 अगस्त को कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री 6 अगश्त को दोपहर लगभग 12.15 बजे दिल्ली के कर्तव्य पथ स्थित कर्तव्य भवन जाकर उसका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे शाम लगभग 6.30 बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह प्रधानमंत्री के आधुनिक, कुशल और नागरिक-केंद्रित शासन के दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। कर्तव्य भवन-3, जिसका उद्घाटन किया जा रहा है, सेंट्रल विस्टा के व्यापक परिवर्तन का एक हिस्सा है। यह कई आगामी कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरियट भवनों में से पहला है, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और चुश्त शासन को सक्षम बनाना है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत पहुंचे, पीएम मोदी से करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर सोमवार को अपनी पहली राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचे। राजधानी दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्घेरिटा ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने राष्ट्रपति मार्कोस के आगमन पर उन्हें "मबुहाय" कहते हुए स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा भारत-फिलीपींस संबंधों को और अधिक मजबूती देगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "मबुहाय, राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर! उनका भारत में प्रथम राजकीय दौरा है।

दीवार गिरने से बड़ा हादसा, तीन मजदूरों की मौत, तीन गंभीर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सिरोही जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र स्थित रोहिड़ा थाना अंतर्गत भारजा गांव में सोमवार, 4 अगस्त को निर्माण कार्य के दौरान एक भीषण हादसा हो गया। यहां एक निर्माणाधीन मकान की दीवार अचानक भरभराकर ढह गई, जिससे काम कर रहे छह मजदूरों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। मलबा हटाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया गया। स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला गया। अब भी कुछ अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने जेसीबी मशीनें और राहत दलों को मौके पर तैनात किया है।

मृतकों में दो महिलाएं, एक युवक- मारे गए मजदूरों की पहचान भारजा निवासी पिपली उर्फ दीपली (40) पत्नी मोयला राम भील, काली पत्नी चुन्नीलाल, और वाटेरा निवासी दिनेश (18) पुत्र ओरसिया के रूप में हुई है। तीनों घटनास्थल पर निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। हादसा इतना अचानक था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला।

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का निधन

पीएम ने दी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि, पीएम से लिपटकर रोए हेमंत सोरेन

नईदिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर दिल्ली से रांची लाया जा रहा है। आज मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी शामिल होंगे। राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने गंगाराम अस्पताल पहुंचकर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, मीसा भारती, मनोज झा और आरजेडी के कई नेताओं ने भी अस्पताल में परिवार से मुलाकात की। दिशोम गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सोरेन ने सोमवार सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 81 साल के थे।

झारखंड में 3 दिन का राजकीय शोक- शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड सरकार ने 3 दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है।

सरकारी विज्ञापनों में पूर्व सीएम के नाम और पार्टी चिन्ह : सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है, जिसमें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के विज्ञापनों में जीवित व्यक्तियों, पूर्व मुख्यमंत्रियों, नेताओं या राजनीतिक पार्टी के प्रतीकों की छवियों का उपयोग करने पर रोक लगा दी गई थी।

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी के तमिलनाडु सरकार की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) का उल्लेख करने के बाद, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने इस मामले को इसी सप्ताह तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। रोहतगी ने कहा, "यह एक अत्यंत आवश्यक और असामान्य मामला है। मद्रास उच्च न्यायालय ने आदेश पारित किया है कि राज्य सरकार की किसी भी योजना में मुख्यमंत्री या किसी अन्य राजनीतिक व्यक्ति का नाम नहीं हो सकता। हम (राज्य सरकार) किसी योजना का नाम क्यों नहीं रख सकते? ये योजनाएं गरीबों के कल्याण के लिए हैं।" मद्रास उच्च न्यायालय ने 31 जुलाई को पारित एक आदेश में कहा था कि वर्तमान मुख्यमंत्री की तस्वीरें तो अनुमन्य हो सकती हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं में वैचारिक हशितयों, पूर्व मुख्यमंत्रियों या पार्टी के चिन्हों का उपयोग सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के विरुद्ध होगा। मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की पीठ अन्नाद्रमुक सांसद सी. वी. षणमुगम की एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी। षणमुगम ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार ने जन कल्याणकारी योजनाओं की ब्रांडिंग मुख्यमंत्री के नाम और तस्वीर के साथ-साथ पार्टी के पूर्व नेताओं और वैचारिक दिग्गजों की तस्वीरों के साथ करके सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है। सरकारी विज्ञापनों की सामग्री को विनियमित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए क्रमिक निर्देशों और साथ ही भारत के चुनाव आयोग के 2014 के सरकारी विज्ञापन (सामग्री विनियमन) दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए, मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक अंतरिम आदेश पारित किया।

PM की 'परीक्षा पे चर्चा 2025' गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री की 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी), को "एक महीने में नागरिक सहभागिता मंच पर सर्वाधिक लोगों के पंजीकरण" के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान वर्ष 2025 में आयोजित कार्यक्रम के आठवें संस्करण के दौरान 3.53 करोड़ वैध पंजीकरण के अभूतपूर्व आंकड़े को मान्यता देता है।

'परीक्षा पे चर्चा' को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा माईगव के सहयोग से 2018 से सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। 'परीक्षा पे चर्चा' प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित एक अद्वितीय वैश्विक मंच है, जहां वे विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधा संवाद करते हैं।

प्रधानमंत्री की यह पहल परीक्षा के मौसम को सकारात्मकता, तैयारी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षण का उत्सव बनाती है। इससे परीक्षाएं तनाव का नहीं, बल्कि प्रोत्साहन का अवसर बन जाती हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का आधिकारिक प्रमाण पत्र नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, यूपी सरकार के आदेश को चुनौती

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

वृंदावन के ऐतिहासिक श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन को लेकर जारी विवाद पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। मंदिर से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने की, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस अध्यादेश को चुनौती दी गई है जिसके अंतर्गत मंदिर की देखरेख एक ट्रस्ट को सौंपे जाने की योजना है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने दलील दी कि श्री बांके बिहारी मंदिर एक निजी धार्मिक संस्था है और सरकार इस अध्यादेश के जरिए मंदिर की संपत्ति और प्रबंधन पर अपरोक्ष नियंत्रण हासिल करना चाहती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मंदिर के कोष का उपयोग जमीन खरीदने और निर्माण कार्यों में करना चाह रही है, जो कि अनुचित है। दीवान ने कोर्ट से कहा कि सरकार हमारे धन पर कब्जा कर रही है।

यह मंदिर एक निजी मंदिर है और हम सरकार की योजना पर एकतरफा आदेश को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ दीवानी मुकदमों में, जिनमें मंदिर पक्षकार नहीं था, सरकार ने पीठ पीछे आदेश हासिल कर लिए हैं।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि आप किसी धार्मिक स्थल को पूरी तरह निजी कैसे कह सकते हैं, वो भी तब जब वहां लाखों श्रद्धालु आते हैं? प्रबंधन निजी हो सकता है, लेकिन कोई देवता निजी नहीं हो सकते। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि मंदिर की आय केवल प्रबंधन के लिए नहीं, बल्कि मंदिर और श्रद्धालुओं के विकास के लिए भी होनी चाहिए।

यूपी सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नवीन पाहवा ने कोर्ट को बताया कि सरकार यमुना तट से मंदिर तक कॉरिडोर विकसित करना चाहती है जिससे श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलें और मंदिर क्षेत्र को बेहतर ढंग से संरक्षित किया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के धन का उपयोग केवल मंदिर से जुड़ी गतिविधियों में ही होगा। कोर्ट ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंदिर का पैसा आपकी जेब में क्यों जाए? सरकार इसका उपयोग मंदिर विकास के लिए क्यों नहीं कर सकती?

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 24 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

हॉकी इंडिया ने सोमवार को डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में 15 से 21 अगश्त तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में होने वाले चार मैचों के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी।

भारतीय टीम का यह दौरा 29 अगश्त से बिहार के राजगीर में होने वाले महत्वपूर्ण हीरो एशिया कप से पहले एक महत्वपूर्ण माना जा रहा। एशियाकप विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है।

भारतीय टीम का नेतृत्व दिग्गज ड्रैगफ्लिकर, डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह करेंगे और गोलकीपर के रूप में कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा शामिल होंगे। टीम में डिफेंडर सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप जेस, जुगराज सिंह शामिल हैं, जबकि कर्नाटक के पूवन्ना सीबी टीम में एक नए चेहरे के रूप में शामिल हैं। प्रतिभाशाली युवा मिडफील्डर राजिंदर सिंह, जिनकी तुलना अक्सर पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह से की जाती है।

दो पक्षों के बीच झड़प, लाठी-डंडे चलने से 9 लोग घायल

एनसीआर टुडे, अलीगढ़। कोतवाली इगलास क्षेत्र के गांव सिमरधरी में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। कमेंट बाजी को लेकर शुरू हुए विवाद में दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले, जिसमें कुल नौ लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी के अनुसार, गांव में एक दूसरे पर कमेंट बाजी करने से विवाद शुरू हुआ। एक पक्ष जब दूसरे पक्ष के घर शिकायत करने गया तो वहां के लोग लाठी-डंडे लेकर उन पर टूट पड़े। इसके बाद दोनों तरफ से और लोग इकट्ठा हो गए और हिंसक झड़प शुरू हो गई। झड़प में बादशाह, इंद्रेश, फिरोज, अहमद, सजल, आदिल, राजुद्दीन, इरफान और इसरा घायल हुए। सभी घायलों को इगलास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्रथम उपचार के बाद 7 लोगों को अलीगढ़ मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि 2 का इलाज सीएचसी में ही चल रहा है। सीएचसी अधीक्षक स्कंद राजा ने बताया कि अलीगढ़ मेडिकल अस्पताल भेजे गए सात लोगों में से दो की हालत अधिक गंभीर है। इंस्पेक्टर इगलास नरेंद्र यादव ने बताया कि गांव सिमरधरी में कमेंट बाजी को लेकर झगड़ा हुआ था और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। स्थानीय प्रशासन ने गांव में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

पति की हत्या करने के मामले में वांछित पत्नी गिरफ्तार

एनसीआर टुडे, अलीगढ़। वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी के अनुपालन में व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी छर्रा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना छर्रा पुलिस टीम ने बीएनएस में वांछित अभियुक्ता श्रीमती तवस्सुम पत्नी स्व0 युसुफ निवासी ग्राम धंसारी थाना छर्रा जनपद अलीगढ को अलीगढ़ अड्डे कस्वा छर्रा से गिरफ्तार किया।

श्रावण के अंतिम सोमवार को पूरा मंदिर परिसर भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा

एनसीआर टुडे, अलीगढ़। पवित्र माह श्रावण के चतुर्थ सोमवार को खैर रोड स्थित श्री खेरेश्वर धाम मंदिर परिसर में श्रावण महोत्सव का आयोजन हुआ। मंदिर परिसर में भोलेनाथ की शिवलिंग पर भक्तों द्वारा रात्रि 12 बजे से जलाभिषेक प्रारंभ हुआ। मध्य रात्रि से ही पूरा मंदिर परिसर भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा। श्री खेरेश्वर महादेव व दाऊजी महाराज समिति के अध्यक्ष गेहराज सिंह ने बताया कि आज लगभग 400000 से अधिक भक्तों ने श्री खेरेश्वर महादेव जी का जलाभिषेक दर्शन किए, शाम 7.30 के बाद भी भक्तों की लाइन बरकरार बनी रही, मौसम खराब होने के बाद भी श्रद्धालुओं का जोश बना रहा। समिति कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सावन का आखिरी सोमवार है, ऐसी मान्यता है कि सावन मास में भोलानाथ का जलाभिषेक करने से सभी मनोकामना पूरी होती है, दूर-दूर से भक्त श्री खेरेश्वर महादेव का जल अभिषेक करने के लिए आए हैं।

फीस वृद्धि को लेकर अमुवि छात्र-छात्राओं ने किया प्रदर्शन

एनसीआर टुडे, अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय इंतजामिया द्वारा आठ साल बाद फीस वृद्धि के विरोध में छात्र-छात्राओं जबर्दस्त गुस्सा दिखाई दिया। छात्र-छात्राएं बाब-ए-सैयद गेट पर आ गए और गेट को बंद करके अमुवि इंतजामिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्र-छात्राओं का कहना था कि इंतजामिया ने आठ साल बाद बीए, बी.कॉम, बीबीए, बीएससी, एमएम, एम.कॉम, एमएससी की ट्यूशन फीस पहले 605 थी, अब 800 रुपये होगी और बीबीए, बीए बीएड, बीएससी बीएड, बीए एलएलबी, बीएलआई साइंस, बीपीएड, बीएड की ट्यूशन फीस पहले 605 थी, अब 1000 रुपये होगी करदी है तथा बीएससी मेडिसिन, बीआरटीटी प्री तिब, बीयूएमएस एमएलआई साइंस, एमपीएड, एमएड, एमएसडब्ल्यू, एलएलएम की ट्यूशन फीस पहले 550, 605, 1210 रुपये थी, अब 1200 रुपये होगी। बीटेक, बीआर्क की ट्यूशन फीस पहले 1815, 1980 रुपये थी, अब 2400 रुपये होगी। बीई, एमटेक की ट्यूशन फीस पहले 2420 रुपये थी, अब 3000 रुपये होगी। उन्होंने कहा कि जब तक शुल्क बढ़ोतरी का आदेश वापस नहीं लिया जाता आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों ने विगत 2 अगस्त को भी विद्यार्थियों ने बाब-ए-सैयद को बंद कर प्रदर्शन किया था।

बिहार के बाद असम में भी बनेगी नई वोटर लिस्ट, सीएम हिमंत सरमा ने ही उठाए सवाल

गुवाहटी, एजेंसी। बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके बाद असम में भी नई वोटर लिस्ट बनाने का काम शुरू हो सकता है। हालांकि चुनाव आयोग के इस फैसले को लेकर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा भी खुश नहीं है। वह पहले भी कह चुके हैं कि किसी और प्रदेश की नकल करके असम की समस्याएं को खत्म नहीं किया जा सकता। सीएम सरमा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की गई एनआरसी की फाइनल लिस्ट तैयार होने के बाद इसी आधार पर वोटर लिस्ट तैयार की जा सकती है।

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग ने असम में एसआईआर की तैयारी शुरू कर दी है। असम में अगले साल की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की नियुक्ति करके उनकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक शिक्षण कार्य से जुड़े लोगों को बीएलओ बनाया गया है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान ही उन्हें बीएलओ की ट्रेनिंग दी जाने लगी है।

एक बीएलओ ने कहा, ट्रेनिंग के दौरान बीएलओ और एसआईआर के बारे में बताया जा रहा था। हमें बताया जा रहा था कि एसआईआर के दौरान कौन से दस्तावेजों को स्वीकार करना है। इसमें जन्म

प्रमाणपत्र, फोटो, मां-बाप की वोटर आईडी और निवास प्रमाणपत्र जरूरी होगा। इसके अलावा किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटाने के लिए मृत्यु प्रमाणपत्र की जरूरत होगी।

सीएम सरमा ने कहा था कि वोटर लिस्ट में संशोधन करने से घुसपैठ का इलाज नहीं हो सकता है। बता दें कि 6 साल के आंदोलन के बाद असम समझौता हुआ था जिसके मुताबिक 24 मार्च 1971 के बाद अवैध रूप से असम आने वाले लोगों को भारत का नागरिक नहीं माना गया है। वहीं बिहार में एसआईआर को लेकर सरमा ने कहा, हमने यहां एनआरसी करवाया है। अब यहां एसआईआर से क्या हासिल होगा। किसी और प्रदेश में क्या हो रहा है, इससे असम की समस्या दूर नहीं की जा सकती। सीएम सरमा ने कहा कि अगर सूची में संशोधन किया भी जाता है तो एनआरसी को दस्तावेजों में शामिल किया जाना चाहिए और एनआरसी की फाइनल लिस्ट आने तक इंतजार करना चाहिए।

बता दें कि असम ऐसा पहला प्रदेश है जिसमें एनआरसी करवाई गई थी। 31 अगस्त 2019 को एनआरसी की ड्राफ्ट सूची जारी की गई थी। इसमें कुल 3.3 करोड़ आवेदकों में से 19.6 लाख लोगों को लिस्ट से बाहर रखा गया था। हालांकि रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। केंद्र सरकार इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि एनआरसी में कई कमियां हैं। इसमें अवैध प्रवासियों को शामिल कर लिया गया है और स्वदेशी लोगों को बाहर रखा गया है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एनआरसी की कमियों को लेकर कहा कि लिस्ट से बाहर होने वाले 29 लाख लोगों की संख्या बहुत कम है। असम सरकार का कहना है कि इसका पुनः सत्यापन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2015 में असम में एनआरसी की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

आदिवासी चेतना के प्रतीक थे गुरुजी, शिबू सोरेन के निधन पर अशोक गहलोत ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर, एजेंसी। झारखंड की राजनीति में आदिवासी अधिकारों की बुलंद आवाज रहे और राज्य निर्माण आंदोलन के केंद्र में रहे शिबू सोरेन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनके निधन की जानकारी उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की। पिता के निधन की खबर के साथ ही पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शिबू सोरेन के निधन पर शोक जताया और उन्हें आदिवासी चेतना का प्रतीक बताया।

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जमीन से जुड़े नेता शिबू सोरेन ने पूरा जीवन आदिवासी समाज के कल्याण एवं उनके हितों के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि 'गुरुजी' के रूप में लोकप्रिय शिबू सोरेन ने न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज की आवाज को मजबूती से उठाया और उन्हें सामाजिक सम्मान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक योगदान दिया। गहलोत ने अपने पोस्ट में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूरे सोरेन परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, झारखंड के मुख्यमंत्री तथा उनके पुत्र हेमंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्यों, उनके सभी शुभचिंतकों के

प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति दें एवं शोकाकुल परिजनों को हिम्मत प्रदान करें। शिबू सोरेन का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने झारखंड की जनता के हक और अधिकारों के लिए लंबा आंदोलन चलाया। 'धनकटी आंदोलन' से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना तक पहुंचा। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने और केंद्र में मंत्री पद पर भी रहे। उनका राजनीतिक जीवन उतार-चढ़ावों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी अपने आदर्शों से समझौता नहीं किया। उन्होंने आदिवासी समाज को एकजुट करने और उन्हें मुख्यधारा में लाने का जो प्रयास किया, वह भारतीय राजनीति में मिसाल है। उनके निधन से न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश ने एक ऐसा नेता खो दिया है, जो जनता के बीच से आया था और अंतिम समय तक जनता के लिए ही जिया। उनकी राजनीतिक यात्रा और सामाजिक योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

जादू-टोना करने के संदेह में व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या

गजपति, एजेंसी। ओडिशा के गजपति जिले में जादू-टोना करने के संदेह में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। कुछ लोगों ने 35 वर्षीय व्यक्ति को मारने के बाद उसका निजी अंग भी काट दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात जिले के मोहना थाना क्षेत्र के मालासपदर गांव में हुई। ग्रामीणों ने उस व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या कर दी, उसका निजी अंग काट दिया। शव को पास के हरभांगी बांध में फेंक दिया। पुलिस ने रविवार सुबह जलाशय से शव बरामद किया।

उपसंभागीय पुलिस अधिकारी सुरेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस ने 14 ग्रामीणों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। ग्रामीणों को संदेह है कि लगभग दो सप्ताह पहले एक अधेड़ महिला की मौत उस व्यक्ति के काले जादू के कारण हुई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले के डर से गोपाल नामक व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ गंजाम जिले में अपने ससुराल चला गया। वह अपनी एक रिश्तेदार से अपने मवेशियों और बकरियों की देखभाल करने के लिए कह गया।

अपहरण करके ले गए

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को गोपाल अपने पालतू मवेशियों को लेने गांव लौटा था, तभी उसका अपहरण कर लिया गया और उसकी हत्या कर दी गई। दूसरी ओर, सुंदरगढ़ जिले में पिछले शुक्रवार से लापता नाबालिग लड़की का शव रविवार सुबह उसके घर के पास जंगल में पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना जिले के तलवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत लुलकीडीही गांव में घटी। पुलिस के अनुसार, लड़की शुक्रवार को गाय और बकरियां चराने जंगल गई थी। पुलिस ने बताया कि जब वह दोपहर में घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने इलाके में उसकी तलाश की और जब वह नहीं मिली तो पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने रविवार सुबह खोजी कुत्तों की मदद से लड़की की तलाश शुरू की और उसका शव पास के

डांस बार में तोड़फोड़ मामले में एमएनएस कार्यकर्ताओं पर कसा शिकंजा, 15 पर केस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के 15 कार्यकर्ताओं के खिलाफ पनवेल में एक डांस बार में तोड़फोड़ करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह घटना पार्टी प्रमुख राज ठाकरे द्वारा एक सार्वजनिक भाषण के दौरान रायगढ़ जिले में अवैध बारों पर तीखा हमला करने के कुछ ही घंटों बाद हुई थी। मामला दर्ज करने की जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में कुछ लोग शनिवार देर रात पनवेल के बाहरी इलाके में 'नाइट राइडर्स बार' में घुसते हुए, वहां फर्नीचर में तोड़फोड़ करते हुए, शराब की बोतलें तोड़ते हुए और संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

राज ठाकरे ने क्या कहा था? इस घटना से कुछ घंटे पहले एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने रायगढ़ में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) की एक रैली को संबोधित करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि पर डांस

बार के संचालन की निंदा की थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एमएनएस-पदाधिकारी योगेश चिले और 15 अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच चल रही है।

एमएनएस कह रही इसे प्रतीकात्मक विरोध

इस बीच, एमएनएस नेता संदीप देशपांडे ने बार में तोड़फोड़ की घटना का बचाव करते हुए इसे प्रतीकात्मक विरोध बताया है। उन्होंने कहा, सरकार को इन अवैध बारों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। क्या वे बार चला रहे हैं या उसे बचा रहे हैं? अगर वे इन्हें बंद नहीं करेंगे, तो लोग कार्रवाई करेंगे।

बालासोर आत्मदाह मामले में दो एबीवीपी नेता गिरफ्तार, छात्रा को उकसाने का आरोप

बालासोर, एजेंसी। ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन कॉलेज में 20 वर्षीय छात्रा को आत्मदाह के लिए उकसाने के आरोप में एबीवीपी के दो नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। छात्रा ने अपने विभागाध्यक्ष के खिलाफ ही यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। इसके बाद छात्रा ने खुद को आग लगा ली। 95 फीसदी से ज्यादा जलने की वजह से छात्रा की मौत हो गई।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'गिरफ्तार किए गए लोगों में कॉलेज की छात्रा ज्योति प्रकाश बिस्वाल शामिल है जो उक्त छात्रा को बचाने के प्रयास में झुलस गई थी। इसके अलावा छात्र संगठन की राज्य इकाई के संयुक्त सचिव शुभ्रा संवेत नायक को गिरफ्तार किया गया है।' बिस्वाल को हाल ही में कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से छुट्टी दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक छात्रा जब दिक्कतों का सामना कर रही थी, तभी

कुछ छात्रों ने उसे उकसाया। यह भी बताया जा रहा है कि उन स्टूडेंट्स ने आत्मदाह के प्रयास में छात्रा की मदद भी की थी। अधिकारी ने बताया कि उन्हें रविवार देर रात उनके घरों से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले, कॉलेज में सहायक प्रोफेसर समीरा कुमार साहू और संस्थान के पूर्व प्राचार्य दिलीप घोष को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था।

यूजीसी की टीम ने भी कॉलेज के प्रिंसिपल और आंतरिक शिकायत समिति से पूछताछ की थी। आईसीसी ने रिपोर्ट में कहा था कि यौन उत्पीड़न के आरोपों का कोई सबूत नहीं मिला। उच्च शिक्षा विभाग की फैक्ट फाइंडिंग टीम भी मामले की स्वतंत्र जांच में लगी हुई है।

फरीदाबाद की 30 जगहों पर हैवान बन जाते हैं कुत्ते, बच्चे भी जाने से डरते हैं

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में 30 स्थानों पर कुत्तों का सबसे अधिक आतंक है। लोगों में आवारा कुत्तों का खौफ इस कदर हावी है कि वह अपने बच्चों को कहीं भी अकेले भेजने से डर रहे हैं। आवारा कुत्ते कुछ समय से बच्चों को अपना शिकार बनाकर रहे हैं। आवारा कुत्तों के प्रति नगर निगम का उदासीन रवैया बच्चे के लिए जीवन के लिए जोखिम बनता जा रहा है।

हाल ही में ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-86 स्थित प्रिंसेस पार्क सोसाइटी में एक स्कूल जा रही बच्ची पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षाकर्मी ने बच्ची को बचाया था। प्रिंसेस पार्क सोसाइटी में कुत्ता काटने की कई घटनाएं हो चुकी है। सोसाइटी की आरडब्ल्यूए एक हजार से अधिक पत्र नगर निगम, जिला उपायुक्त व मुख्यमंत्री कार्यालय को लिख चुकी है। वहीं, ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में सोसाइटी में आवारा कुत्तों की शिकायत रखी जा चुकी है।

बीके अस्पताल में प्रतिदिन कुत्ते सहित अन्य जानवरों के काटने के 35 नए मामले आते हैं। इनमें 75 प्रतिशत कुत्ता काटने के आते हैं। इसके अलावा अन्य मामले बंदर, बिल्ली काटने शामिल होते हैं। बता दें कि बीके अस्पताल में 100 रुपये प्रति टीका लगाया जाता है, जबकि बीपीएल, आयुष्मान, प्रदेश

सरकार के अधीनस्थ विभाग के कर्मचारियों को निशुल्क टीके लगाए जाते हैं।

ग्रेटर फरीदाबाद की सोसाइटी के अलावा शहर के पॉश सेक्टर भी आवारा कुत्तों के आतंक से अछूते नहीं हैं। सेक्टर-37, 30, 31, 28, 29, 18 ,19 16, 17, 21, 21ए के निवासी भी कुत्तों के आतंक से परेशान है। आवारा कुत्ते वाहन चालकों को दौड़ाने लगते हैं। इसके अलावा में कोई भी व्यक्ति इन सेक्टरों की गलियों से नहीं निकल सकता। कुत्ते लोगों के पीछे पड़ जाते हैं। वहीं पर्वतीय कॉलोनी, संजय कॉलोनी, जवाहर कॉलोनी, 60 फुट रोड, एयरफोर्स रोड, नवलू कॉलोनी, इंदिरा नगर, नंगला गुजरान सहित कॉलोनियों में कुत्तों का आतंक है।

राजस्थान के सीएम की दिल्ली दौड़ ने बढ़ाई हलचल

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर से संभावनाओं का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की एक सप्ताह में दो बार दिल्ली यात्रा ने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। क्या यह सिर्फ शिष्टाचार भेंट थी या आने वाले दिनों में कुछ बड़ा होने वाला है? सवाल कई हैं, लेकिन जवाब साफ नहीं। मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे को यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासतौर पर तब, जब कुछ दिन पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। दिल्ली में हुई इन मुलाकातों को लेकर भाजपा के अंदरूनी हलकों में फुसफुसाहट तेज हो गई है। सूत्र बताते हैं कि भजनलाल शर्मा की प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष से हुई बातचीत सामान्य राजनीतिक चर्चा नहीं थी। माना जा रहा है कि इस दौरान राजस्थान मंत्रिमंडल में फेरबदल, राजनीतिक नियुक्तियों और संगठन में पुनर्संतुलन जैसे मुद्दों पर गंभीर विमर्श हुआ। चौंकाने वाली बात यह है कि इन दौरों को लेकर पार्टी या सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यही चुप्पी पूरे घटनाक्रम को रहस्यपूर्ण बना रही है। क्या वाकई कोई बड़ा बदलाव होने वाला है?

यूपी में 17 हजार लोगों की किसान सम्मान निधि की किस्त पर रोक लगी

सुलतानपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना का लाभ पाने वाले किसानों को कई बार धक्का लगा है। यूपी के सुलतानपुर जिले में 19वीं किस्त प्राप्त कर चुके 17 हजार किसानों की 20वीं किस्त पर रोक लगा दी गई। पीएम सम्मान निधि प्राप्त करने का मैसेज नहीं आने पर किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों से शिकायत की। जिनका आधार से चेक करने पर संदिग्ध डाटा मानते हुए अपात्र की श्रेणी में डाल दिया गया है।

जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पंजीकरण वर्ष 2019 में शुरू हुआ। आवेदन करने वाले किसानों में पात्र की सूची तैयार करने के लिए कई बार सत्यापन कराया गया। खतौनी का आधार के माध्यम से सत्यापन किया गया। जिले के चार लाख 52 हजार किसान पीएम सम्मान निधि के लिए 19 वी किस्त के लिए सही थे। लेकिन दो अगस्त को जारी हुई 20वीं किस्त में चार लाख 35 हजार 45 किसानों को ही नाम शामिल है। 17हजार किसानों को अपात्र की श्रेणी में डालते हुए 20 किस्त पर रोक लगा दी गई है। केन्द्र सरकार की ओर से इन किसानों को अपात्र मार्क कर कृषि विभाग के आफिस से सम्पर्क करने का मैसेज जारी किया है।

कृषि विभाग के अधिकारियों

को किस्त न पाने वाले किसानों ने फोन पर जानकारी करने लगे। लेकिन अब तक शासन स्तर से ही कोई जानकारी नहीं दी गई है। जिससे सोमवार को शाम तक 20वीं किस्त नहीं पाने वाले किसानों को सही जानकारी मिल पाएगी। सूत्रों की मानें तो मई 2024 के बाद आवेदन करने वाले पात्र किसानों का डाटा 20वीं किस्त के लिए चयन किया गया है। जबकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पंजीकरण 2019 में शुरू हुआ था। सुलतानपुर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभ के लिए चार हजार किसानों का डाटा दो बार फीड हो गया था। जिससे सही कराने के लिए किसान तीन साल से अधिक समय से कृषि विभाग का चक्कर काट रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारी समस्या दूर करने के लिए वेबसाइट पर संशोधन का विकल्प देने के लिए कई बार पत्र शासन को भेजा है, लेकिन अभी तक किसानों की समस्या दूर नहीं हुई। डीडी कृषि कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि मोबाइल पर मैसेज आया है।

वाहन चोरी के चार आरोपी दबोचे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। अंकुर विहार थाना पुलिस ने वाहन चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सोमवार को चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पांच वाहन बरामद किए गए हैं। संतनगर विद्युत उपकेंद्र के पास वाहनों की जांच के दौरान पुलिस ने अशोक विहार निवासी सुल्तान उर्फ मुश्तफा, खुशहाल पार्क निवासी अलाउद्दीन खान उर्फ भूरा और रहीसुद्दीन और खन्ना नगर निवासी रिंकू को गिरफ्तार किया है। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि आरोपियों से पांच बाइक के अलावा दो स्कूटी भी बरामद की गई हैं। गिरोह के बदमाश दिल्ली और गाजियाबाद में रेकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। इससे पहले भी आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

आमनगढ़ पीली डेम पर दिखा बाघ, पर्यटकों ने बनाई वीडियो, वन विभाग ने क्षेत्र में बढ़ाई गश्त

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। आमनगढ़ मे शितथ पीली डेम एक बार फिर चर्चा में आ गया। यहां एक बाघ दिखाई देने से हलचल मच गई। डेम के किनारे बाघ को घूमते देख पर्यटक चौंक गए। हालांकि, पर्यटकों ने साहस दिखाते हुए मोबाइल से बाघ का वीडियो बना लिया। शुरू में लोग डर गए थे। लेकिन जब बाघ दूर जाने लगा, तब उन्होंने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करना शुरू कर दिया। कुछ पर्यटकों ने बताया कि उन्होंने पहली बार इतने करीब से बाघ देखा है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें क्षेत्र में गश्त के लिए पहुंच गईं। माना जा रहा है कि यह बाघ कार्बेट टाइगर रिजर्व के जंगलों से पानी की तलाश में डेम तक आया होगा। वन विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि वे बिना अनुमति और सुरक्षा के डेम या जंगल क्षेत्र में न जाएं। साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर कोई वन्यजीव दिखे तो उसे परेशान न करें।

विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। नगीना क्षेत्र के गांव कालाखेड़ी में सावन की चौथे सोमवार में पहाड़ वाले शिव मंदिर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे कालाखेड़ी ग्राम के लोगों ने बढ़ चढ़कर सहयोग प्रदान किया। भंडारे से पहले पंडित अनिल कुमार शर्मा के द्वारा पूजन कर हवन किया गया। हवन तथा पूजन में मुख्य यजवान के रूप में राजेंद्र सिंहचक्की वाले सत्यप्रकाश सिंह रामौतार सिंह नारायण सिंह भगत सिंह धर्मवीर सिंह राजकुमार सिंह डॉक्टर ऋषिपाल सिंह राजवीर सिंह देवराज सिंह महेश कुमार उर्फ शेट्टी ने भूमिका निभाई तथा ईश्वर से सभी के लिए सुख और समृद्धि की कामना की उसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर सत्यप्रकाश, प्रकाश, योगेंद्र कुमार, मास्टर सिंह, राजकुमार सिंह, देवेंद्र सिंह, ऋषिपाल सिंह, नारायण सिंह, रामौवतार सिंह, विवेक कुमार, देवेंद्र कुमार उर्फ बुल्ली, धर्मवीर सिंह, लोकेश कुमार, झड़िया सिंह, भगत सिंह, मोजूदा प्रधान नौबहार सिंह, कोमल सिंह, महेश कुमार उर्फ मिंटू, पूर्व प्रधान नरेश कुमार, अवनीश कुमार व गंगाराम बाजे मास्टर आदि का विशेष सहयोग रहा।

जंगली हाथी ने किसान की फसल के साथ सोलर पंप को भी नष्ट कर दिया

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में जंगली हाथी ने किसानों की फसलों को नष्ट करने के साथ साथ जलापूर्ति के लिये खेत पर लगाये गए सरकारी सोलर पंप तक को तोड़ कर तहस नहस डाला। हाथी के आतंक से परेशान किसान अब खेत पर जाने से भी कतरा रहे हैं परंतु वन विभाग इस और ध्यान देने को भी तैयार नहीं है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मौज जगतचंदपुर चिलकिया में किसान परवेज नासिर,अरशद,अनीस नम्बरदार,शमी,अल्ताफ हुसैन,शाकिर हुसैन आदि किसानों की कृषि भूमि है। उक्त मौजा आरक्षित वन क्षेत्र की सीमा से लगा होने के कारण अक्सर फसलों में वन्य जीवों द्वारा नुकसान किया जाता रहा है। परन्तु किसानों द्वारा इन सब छुटपुट घटनाओं पर ध्यान नही दिया जाता था। परन्तु बीते दो दिनों से एक जंगली हाथी में किसानों की नाक में दम किया हुआ है। जंगली हाथी ने जहां एक औऱ किसानों के सेकड़ो बीघा कृषि भूमि पर खड़ी गन्ने की फसल को बर्बाद कर डाला। इसके अतिरिक्त दर्जन भर किसानों के पेड़ों को भी तोड़कर खत्म कर दिया। किसान परवेज नासिर ने बताया कि उनके खेत में खड़े करीब पांच आम के पेड़ व दो यूकेलिप्टस के पेड़ को जंगली हाथी ने तोड़ कर बर्बाद कर दिया। इसके अतिरिक्त खेत मे प्रधानमंत्री ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियोग योजना वर्ष 2023 व 2024 के तहत लगाए गए सरकारी सौलर पंप को भी तोड़कर तहस नहस कर डाला।

पति ने पत्नी पर चाकू से किया जानलेवा हमला, हालत नाजुक

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। स्योहारा में घरेलू विवाद एक बार फिर हिंसक रूप में सामने आया है। स्योहारा थाना क्षेत्र के ठाठ चौराहे पर उस समय हड़कंप मच गया जब एक व्यक्ति ने अपनी ही पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को ग्रामीणों और पुलिस की मदद से स्योहारा सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल महिला का नाम बबीता है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। शनिवार को बबीता धामपुर सीओ ऑफिस में बयान देकर लौट रही थी, तभी राश्ते में उसके पति ने उस पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी पति इससे पहले भी फायरिंग जैसी वारदात को अंजाम दे चुका है।

सावन के अंतिम सोमवार को दूधेश्वर नाथ मंदिर में भीड़

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सावन के अंतिम सोमवार को सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मठ महादेव के अलावा जिले के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। देर रात से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।

भक्तों ने विधिविधान से महादेव का पूजन कर जलाभिषेक किया। भगवान शिव पर जलाभिषेक करने के लिए सावन के चौथे और अंतिम सोमवार पर दूधेश्वर नाथ मंदिर के बाहर देर रात 12 बजे से ही भक्तों की भीड़ लगने लगी थी। रात्रि एक बजे मंदिर के कपाट खोले गए।

भक्तों ने शिवलिंग पर जल, बेलपत्र और धतूरा आदि अर्पित कर जलाभिषेक किया। मंदिर और बाहर हर महादेव के जयकारों से माहौल शिवमय हो गया।

तड़के तीन बजे महंत नारायण गिरि ने भगवान दूधेश्वर का श्रृंगार किया। प्राचीन देवी मंदिर दिल्ली गेट के महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने धूप और दीप आरती की। भगवान को 56 भोग लगाया गया। मंदिर में जलाभिषेक के लिए दोपहर बाद तक श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही।

कल्कि पीठाधीश्वर ने पूजा की कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दूधेश्वरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया। उन्होंने मंदिर के महंत नारायण गिरि से भेंट की।

महंत नारायण गिरि ने कहा कि कलियुग में भगवान विष्णु भगवान कल्कि के रूप में अवतार लेंगे और आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कल्कि धाम की स्थापना कर भगवान के आगमन और स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इससे धाम ही नहीं आसपास के क्षेत्र को भी पवित्र और भक्तिमय बना दिया है। मंदिर मार्ग पर वाहन बंद रहे मंदिर पहुंचने के राश्ते बंद होने से सोमवार को श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। गौशाला चौकी से दूधेश्वरनाथ मंदिर की ओर जाने वाले राश्ते पर हल्के और भारी वाहन बंद होने से शिवभक्त को पैदल ही मंदिर तक जाना पड़ा।

दोपहिया वाहनों को महिला अस्पताल के पास तक जाने की इजाजत दी गई थी। वहीं, जस्सीपुरा रोड और हापुड़ तिराहे की तरह से मंदिर की ओर केवल दोपहिया वाहनों को जाने दिया गया। इससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सेल्स मैन की बाइक से 1 लाख तीस हजार नकदी सहित 325 डिब्बी चोरी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

झालू चौराहे पर सेल्समैन की बाईक से एक लाख तीस हजार रुपए की नगदी व 325 डिब्बी सिगरेट से भरा थैला चुराने वालों की पुलिस तलाश में जुटी।दो बाईक सवार सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए है। पुलिस खुलासे के नजदीक पहुंच गई है।

जानकारी के अनुसार धामपुर के मोहल्ला खातियान चव्वनीवाला चौराहा निवासी उदित महेश्वरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी फर्म धामपुर तहसील क्षेत्र में सिगरेट सप्लाई का काम करती है। उसकी फर्म का सेल्समैन सूर्य नगर कॉलोनी निवासी राकेश कुमार शर्मा 30 जुलाई को नहटौर के झालू चौराहे पर एक दुकान के बाहर बाईक खड़ी करके दुकान से आर्डर लेने के लिए गया था। उसी समय उसकी बाईक में बंधा थैला अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया। थैले में एक लाख तीस हजार रुपए की नगदी व 325 सिगरेट की डिब्बी थी। आसपास के कैमरे देखने पर पता लगा कि सफेद रंग की बाईक से दो व्यक्ति थैला चुराकर ले गए है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज आदि खंगाली है।

सावन माह के अंतिम सोमवार को शिवालयों में रही श्रद्धालुओं की भीड़

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

सावन माह के चलते अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओ ने शिवालय पहुंचकर पूजा अर्चना करके अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की।
जानकारी के अनुसार

सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर मंदिरों के शिवालयों में पहुंचकर पूजा अर्चना करके अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की तथा बेलपत्री आदि सामग्री चढ़ाई।

सोमवार को चामुंडा धाम पंचायती मंदिर हाथी वाला मंदिर पूर्वी चौंधियान शिव मंदिर पाताल तोड़ शिव मंदिर झारखंडी,फिरोजपुर आदि शिवालयों पर महिला पुरुषों व लड़कियों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की पूजा अर्चना के दौरान उन्होंने अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की तथा बेल पत्री भांग धतूरा आदि पूजा की सामग्री भगवान पर चढ़ाई।

इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में भी बालिकाओं पुरुषों में महिलाओं ने मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना करके अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की तथा गरीबों को दान दिया।

पंचायतो में विकास के दावे करने वाला विकासखंड स्वयं जल भराव से ग्रस्त

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में विकास के दावे करने वाला विकासखंड खुद ही जल भराव की समस्या से जूझ रहा है। बीडीओ व ब्लॉक प्रमुख के कार्यालय के सामने पानी का भराव होने पर मिट्टी लगाकर पानी को अंदर जाने से रोका गया है।

जानकारी के अनुसार नहटौर विकासखंड परिसर में बारिश होने के दौरान निकासी नहीं होने से जल भराव की स्थिति पैदा हो गई। बताया जाता है कि लाखों रुपए से विकासखंड के सामने नाले का निर्माण कराया गया है।

लेकिन ब्लॉक के पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। विकासखंड परिसर में ब्लॉक प्रमुख की ओर से सौंदर्य करण के लिए बहुत से कार्य कराए गए हैं। जिनका नतीजा भी देखने को मिल रहा है। लेकिन विकासखंड परिसर में जल भराव की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। सोमवार को बारिश के दौरान ब्लॉक परिसर में जल भराव की स्थिति पैदा हो गई।

हालत यह रही की ब्लॉक प्रमुख कार्यालय बीडीओ कार्यालय के सामने मिट्टी लगाकर पानी अंदर जाने से रोका गय। इसके अलावा पशु चिकित्सालय,कृषि बीज भंडार में भी जलभराव की स्थिति बन गई। नागरिकों का कहना है कि विकासखंड की ओर से ग्राम पंचायत में विकास कार्य कराने के लिए ब्लॉक परिसर हमेशा तत्पर रहता है। लेकिन वह खुद ही जलभराव की स्थिति से जूझ रहा हैं।

CCTV ने खोली सफाई की पोल, बरसात के बाद घरों में घुसा नाले का पानी

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

शहर में हुई मूसलाधार बारिश ने पालिका की सफाई व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर जगह-जगह जलभराव ने जनजीवन अश्त-व्यश्त कर दिया।

खास तौर पर मोहल्ला मुगलूशाह, मकबरा, पठानपुरा और हवेलीतला में हालात बदतर रहे, जहां बारिश का पानी घरों और दुकानों में घुस गया। मोहल्ला मुगलूशाह में तो हालात ऐसे रहे कि घरों में पानी भर जाने से लोग चूल्हा तक नहीं जला सके। कई घरों में सामान पानी में भीग गया। मोहल्ला मकबरा में दुकानों और मकानों में रखा सामान खराब हो गया, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। गौर करने वाली बात यह है कि नगर पालिका द्वारा नालों की सफाई को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन यह बारिश उन दावों की सच्चाई पर आईना बनकर सामने आई। जगह-जगह जाम नाले और बहता गंदा पानी विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को उजागर कर गया।

घर के आंगन में सो रही महिला को इंजेक्शन लगाने की कोशिश

गले पर धारदार हथियार से हमला किया, शोर मचाने पर भागे आरोपी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर/नूरपुर ✷

थाना क्षेत्र नूरपुर में में घर के आंगन में सो रही एक महिला पर कुछ अज्ञात व्यक्ति ने हमला कर दिया। महिला कुछ समझ पाती इससे पहले हमलावरों ने धारदार हथियार से गर्दन पर वार किया। महिला की चीख पुकार सुनकर गांव वाले पहुंचे इससे पहले हमलावर दीवार फांदकर भाग गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस और ग्रामीणों को घर की दीवार पर एक किसी पदार्थ से भारी इंजेक्शन की सीरिज मिली है। गांव वाले अज्ञात हमलावरों को चोर समझ रहे हैं। महिला घर में चार बच्चों के साथ रहती है। घटना नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव जाफरपुर कुरई की है।

मामला तहसील चांदपुर के नूरपुर थाना क्षेत्र का है। यहा नौशाद मंसूरी का घर है। नौशाद दिल्ली में रहकर काम करते हैं जबकि पत्नी तरन्नुम चार छोटे बच्चों के साथ गांव में रहती है। जाफरपुर कुरई गांव में जंगल की ओर नौशाद का मकान है। महिला तरन्नुम जैकेट सीने का काम भी करती है।

बीती रात करीब 3 बजे महिला अपने घर के आंगन में चारपाई पर सो रही थी। अचानक किसी की मौजूदगी से उसकी आंखें खुली इससे पहले वह इधर-उधर देख पाती किसी ने उसकी गर्दन पर वार कर दिया। जिससे महिला की चीख पुकार मच गई। महिला की चीख सुनकर गांव में शोर मच गया। ग्रामीण उसके घर की ओर दौड़ पड़े। देखा तो महिला चारपाई पर पड़ी थी और गर्दन पर खून था। पुलिस को सूचना दी गई।

गांव में सैकड़ों लोग लाठी-डंडे लेकर बाहर आ गए। पुलिस ने महिला के घर पहुंच कर घटनास्थल निरीक्षण किया। महिला से पूछताछ की गई तो उसकी दीवार की ओर इशारा कर इधर से जाते हुए देखे।

पुलिस और ग्रामीण वहां देखने पहुंचे तो दीवार पर एक पदार्थ से भरी इंजेक्शन की सिरिज दीवार पर रखी मिली है। इस घटना से गांव में अज्ञात चोरों का शोर मच गया है। ग्रामीण इस घटना को अज्ञात चोरों की समझ रहे हैं। महिला तरन्नुम का कहना है कि मैं घर के आंगन में सो रही थी एक दम से जम मेरी गर्दन पर छुरा चला तो मेरी आंख खुल गई। मैंने चाची को शोर मचा कर आवाज़ लगाई।

फिर मेरे इंजेक्शन सा चुभाया जो आधा चुभा आधा रह गया। वह भागने लगे मुझे एक दिखाई दिया जिसने काली टी-शर्ट और नेकर पहन रखा था। मोटा और लंबा था चाची को आवाज़ लगाने पर भाग गया।

मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक नूरपुर जय भगवान सिंह ने बताया कि कोई चोरी की घटना नहीं हुई है। महिला आंगन में सो रही थी।

पति दिल्ली रहता है। महिला को डॉक्टर के लेकर गए। तो किसी तरह का कोई इंजेक्शन लगने की बात सामने नहीं आई। गर्दन पर भी कोई चाकू का निशान नहीं मिले। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

संभल हरिहर मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे गौ रक्षको को पुलिस ने रोका

हरिहर मंदिर संबल जल चढ़ाने जा रहे गोरक्षक संयम जैन व समिति के पदाधिकारियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

गणेश चौथ समिति धामपुर के कार्यकर्ता विगत कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के अंतर्गत आज सोमवार को संभल स्थित हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए जत्थे के रूप में 2 दर्जन से अधिक कार्यकर्ता रवाना हुए।

लेकिन जैसे ही पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को इस जत्थे के रवाना होने की सूचना मिली तो तुरंत ही इस जत्थे को धामपुर में ही शुगर मिल तिराहे पर स्थित रानी बाग कॉलोनी पुलिस चौकी पर रोक लिया गया।

इतना ही नहीं जत्थे के संभल रवाना होने की सूचना पाकर धामपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह चौहान भी पुलिस बल के साथ शुगर मिल तिराहे पर पहुंच गए और बैरिकेडिंग करके पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया गया।

इस दौरान जत्थे में शामिल शिव भक्तों तथा पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक भी हुई धामपुर की अग्रणी धार्मिक संस्था गणेश चौथ समिति के संयोजक विजय कुमार जैन एवं सह संयोजक संयम कुमार जैन के नेतृत्व में वाहनों में सवार होकर जा रहे शिव भक्तों के जत्थे को शुगर मिल तिराहे पर पुलिस कर्मियों द्वारा किए जा रही जांच के अंतर्गत रोक लिया गया।

संभल के हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे इन शिव भक्तों के जत्थे को रोक लिए जाने पर गणेश चौथ समिति के सहयोजक संयम जैन (गोरक्षक) ने कहा कि हम पिछले कई वर्षों से संभल के हरिहर मंदिर में जल चढ़ाने की कोशिश कर रहे है लेकिन पुलिस शिव भक्तों को हर बार गिरफ्तार कर लेती है।

उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इससे बड़ा दुर्भाग्य भगवान भोलेनाथ के भक्तों का क्या हो सकता है कि उत्तर प्रदेश में हिंदुओं की सरकार माने जाने वाली वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भी अगर हिन्दू समाज के लोग मंदिर में पहुंचकर जलाभिषेक नहीं कर सकते तो यह प्रश्न चिन्हित कर देने वाला गंभीर विषय भी है।

उन्होंने जत्थे को रोकने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह भी किया कि उन्हें निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप संभल के हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए प्रस्थान करने दिया जाए परंतु पुलिस प्रशासन ने इस जत्थे को धामपुर से आगे तो नहीं जाने दिया पुलिस ने 2 दर्जन से अधिक कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया व चौकी ले आई बाद में निजी मुचलकों पर छोड़ा गया।

लेकिन निकट के ही एक शिव मंदिर में जत्थे में शामिल शिव भक्तों से जल चढ़वा दिया। गणेश चौथ समिति के शिव भक्तों के इस जत्थे में प्रमुख रूप से समिति के संयोजक विजय कुमार जैन व्योमकेश चौहान वीरेंद्र कारीगर अमित कुमार चौधरी, हिमांशु चौधरी, आशु चौधरी, अविनाश, वीरेंद्र सिंह, आयुष चौधरी, रचित कुमार, सनी कुमार, पारुल कुमार , बॉबी कुमार , जतिन गौतम शोभित अग्रवाल, दीपक भारद्वाज, अंकित सैनी , तपिश शर्मा , अजय राजपूत आदि मौजूद रहे।

बता दें कि पुलिस की ओर से इससे पहले गणेश चौथ समिति के संरक्षक विजय जैन और संयोजक संयम जैन को पुलिस ने सवेरे से ही हाउस अरेस्ट कर रखा था। फिर भी कार्यकर्ता आधा दर्जन गाड़ियों में सवार होकर संभल जाने का प्रयास कर रहे थे। तब इस दौरान रानी बाग चौकी पर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

स्कूलों में स्काउट गाइड क्लब का गठन किया जाए

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती वान्या सिंह की अध्यक्षता में आज दोपहर 12:30 बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला परिषद जिला संस्था भारत स्काउट और गाइड उ०प्र० जनपद बिजनौर की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी श्रीमती सिंह ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्कूलों में स्काउट गाइड क्लब का गठन कराया जाना सुनिश्चित करें और जिस स्कूल में स्काउट गाइड क्लब गठित हैं, उनका नियमित रूप से स्काउट गाइड की गतिविधियां संचालित रखें। उन्होंने स्काउट संस्था से स्कूलों में स्थापित स्काउट गाइड क्ल्ब के नवीनीकरण, पंजीकरण एवं प्रशिक्षण के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि जिले में स्काउट गतिविधियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ संचालित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएं और जो स्कूल/शिक्षण संस्थान स्काउट में पंजीकृत हैं, नियमानुसार समयपूर्वक नवीनीकरण कराना भी सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम के दौरान लीडर ट्रेनर सत्यपाल सिंह मलिक द्वारा जिला संस्था भारत स्काउट और गाइड उ०प्र० जनपद बिजनौर के लिए कार्यालय भवन उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में प्रश्ताव पेश करते हुए कहा कि जब तक जिला प्रशासन द्वारा भवन के भूमि का आवंटन नहीं होता तब तक किराए पर एक कमरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया ताकि स्काउट गाइड की गतिविधियों को सुव्यवस्थित और मानक के अनुरूप संचालित किया जा सके। उन्होंने विगत बैठक के बाद की जाने वाली उपलब्धियों एवं प्रगतियों पर प्रकाश डाला गया गया तथा कोषाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा द्वारा लेखा-जोखा का विवरण प्रश्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान ही सामूहिक रूप से स्काउट प्रार्थना और अंत में राष्ट्रगान का गायन भी हुआ।

इस अवसर पर सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त ब्रिजेश कुमार, सचिव कैलाश चन्द, डॉ निर्मला शर्मा जिला गाइड कमिश्नर, जीजीआईसी एवं अन्य विद्यालयों की प्रधानाचार्य सहित जिला संस्था भारत स्काउट और गाइड उ०प्र० के जिला एवं तहसील श्तरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ताओं ने चलाया सदस्यता अभियान

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

राष्ट्रीय लोकदल के किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह जी के सौजन्य से सदस्यता अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोक दल के किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण पाल राठी जी और विशिष्ट अतिथि रोहिलखंड क्षेत्र किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह जी ने शिरकत की।

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने विचार व्यक्त किये। इस दौरान प्रदेश महासचिव अशोक चौधरी, किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह जी, संजीव राठी, अजय पाल, अमित चौधरी, अनुज, रोहित, सत्येंद्र आदि ने

अपने विचार व्यक्त किए और लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनता उत्साह माहौल देखा गया सर्व समाज के सैंकड़ों लोगों ने खरक जीतपुर, मंगोलपुरा और कड़ापुर में आयोजित कार्यक्रमों में उत्साह के साथ भाग लिया और राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की। लोगों ने जय जयंत चौधरी के नारे लगाए और पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राष्ट्रीय लोकदल की जनता में मजबूत होती जा रही पकड़

राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता अभियान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को पार्टी की सदस्यता दिला रहे हैं और उन्हें पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों से अवगत करा रहे हैं ।

पुलिस ने साइबर ठगो से वापस कराये 10 लाख

एनसीआर टुडे. बिजनौर। जिले में हर महीने साइबर ठग 20 से 25 लोगों को निशाना बना रहे हैं। वहीं पुलिस भी लगाकर साइबर ठगों पर शिकंजा कस रही है। जुलाई महीने में पुलिस ने साइबर ठगों पर शिकंजा कसते हुए सवा दस लाख रुपये वापस कराए। कुछ दिनों पहले जनपद के एक व्यक्ति से चार करोड़, एक रिटायर्ड अधिकारी से दो करोड़ आठ लाख रुपये की ठगी की गई थी। शातिर डिजिटल अरेस्ट, जीएसटी, इनकम टैक्स, पुलिस अधिकारियों का हवाला देते हुए साइबर ठग ठगी कर रहे हैं। कई बार पुलिस अधिकारियों की डीपी लगे हुए व्हाट्सएप नंबर से भी ठगी की जा रही है।

संपादकीय

ग्रामीण विकास के लिए स्वरोजगार बढ़ाओ

जनसंख्या बढ़ जाने के साथ ही हमारे देश एवं प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशुपालन एवं बागबानी आदि का कार्य कम होने तथा पारंपरिक व्यवसाय बंद होने से ग्रामीण श्तर पर रोजगार कम हुए हैं। ग्रामीणों ने भी अब पहले की तरह कड़ी मशक्कत करनी भी छोड़ दी है। इससे उनमें गर्मी व सर्दी सहन करने की भी क्षमता कम हुई है। नतीजतन उन्हें कई बीमारियां भी घेरने लगी हैं। कृषि से सम्बन्धित कार्य के लिए ट्रैक्टर व अन्य आधुनिक मशीनों के उपयोग में आने से भी पारंपरिक व्यवसाय न के बराबर रह गए हैं।

यदि कहीं ऐसे छिटपुट व्यवसाय चल भी रहे हैं, तो यह घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। जिस काम को पहले चार लोग चार दिनों में पूरा करते थे, अब मशीनों से उस काम को कुछ ही समय में पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही मशीनों से होने वाला काम या उत्पाद सश्ता भी पड़ जाता है, जबकि हाथ से बनाए उत्पाद को बड़ी मुश्किल से औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। कई बार तो ऐसे कारीगरों को काफी घाटा भी उठाना पड़ता है। ग्रामीण श्तर पर लघु एवं कुटीर उद्योगों में भी भारी कमी आई है। इससे लोगों के पास काम-धंधा न होने से भी बेरोजगारी बढ़ी है।

हालांकि सरकार ऐसे उद्योगों के पुनरुत्थान के लिए सम्बन्धित लोगों को वित्तीय मदद भी दे रही है, लेकिन लोगों को ऐसा रोजगार चाहिए जिसमें प्रति माह निर्धारित धनराशि मिले, ताकि आसानी से वे अपना और अपने परिवार का गुजारा कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े उद्योग स्थापित न होने से युवा वर्ग रोजगार की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन कर रहा है। सारा सामाजिक ढांचा नगरों-महानगरों के आसपास बिखर गया है। किसानों द्वारा खेतीबाड़ी का काम कम करने या छोड़ देने से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर उपजाऊ भूमि बंजर होने के कगार पर पहुंच गई है। उस भूमि में बड़ी मात्रा में जहरीली घास फैल गई है। इससे पर्यवरण प्रदूषण फैल रहा है तथा पशुचारे की भी कमी हो गई है। इसके चलते पशुपालकों ने अपने पशु भी नगर-कस्बों की ओर धकेल दिए हैं। पहले गांव में जब व्यापक श्तर पर कृषि का काम होता था तो उसके साथ और भी कई पारंपरिक व्यवसाय थे।

किसान अपनी उपज से ही उनका मेहनताना चुकाते थे। नकद पैसे का लेन-देन बहुत ही कम था। ऐसा भी कहा जाता है कि सरकार की कुछ कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कम ही दिखाई दे रही हैं। यह भी सच्चाई है कि कुछ लोगों के ढुलमुल रवैये के चलते कृषि एवं पशुपालन के व्यवसाय में बेहद कमी आई है। एक समय था जब किसान अपनी उपज से अपने परिवार के साथ ही अन्य पारंपरिक व्यवसाय करने वालों के परिवार का भी पेट पालता था। लोहार लोहे या लकड़ी के औजार व अन्य उपकरण बनाते थे। कारीगर बांस की टोकरियां, अनाज रखने वाली बड़ी-बड़ी पेडियां व अन्य छोटी-मोटी वश्तुएं बनाते थे। खड्डों-नालों के किनारे घराट चलाने वाले, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, जूते बनाने या उनकी मरम्मत करने वाले, बाल काटने वाले तथा ऊनी कपड़े बुनने वाले आदि व्यवसाय से जुड़े लोग अब गांव में कहीं ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। लोगों को रोजी रोटी की तलाश में कहीं दूर जाना पड़ता है। अपने घर का खर्च चलाने के लिए उन्हें नकद पैसे की भी जरूरत होती है। पहले ऐसे व्यवसाय करने वालों की काफी कदर होती थी। किसान हर फसल आने पर उन्हें काम के मुताबिक अनाज देते थे। इससे उनका गुजारा चला रहता था। ये सब किसानों की जरूरतों को पूरा किया करते थे। लोग अनाज बेच कर रोजमर्रा का सामान खरीद लिया करते थे। लेकिन अब लोगों की दौड़ पैसे के लिए हो गई है। हम जो खा-पी रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए तरह-तरह की बीमारियां बढना भी स्वाभाविक ही है। हालांकि सरकार ने परंपरागत व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं। यह तभी संभव हो पाएगा, यदि कृषि के क्षेत्र का उत्थान होगा, क्योंकि यह सब व्यवसाय कृषि से ही जुड़े हैं।

कृषि के साथ ही पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का ही रह गया है। हालांकि अब कृषि कार्य ट्रैक्टर व अन्य मशीनों से हो रहा है। फिर भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां अभी भी बैलों से ही खेती की जाती है। ऐसे किसानों को बैल पालने के लिए प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है। जबकि दुग्ध उत्पादकों को दूध का घर द्वार उचित मूल्य मिलना चाहिए। यदि पशुपालकों को उचित व नकद प्रोत्साहन मिले तो कोई भी अपने पशु कस्बों या शहरों में नहीं छोड़ेंगे। इससे बेसहारा पशुओं की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। हालांकि सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सरकार सब्सिडी देती है। ऐसी योजनाएं कितनी कामयाब होती हैं, यह तो सर्वविदित ही है।

व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए सरकारों ने विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं। बाद में यह कहकर मामला खत्म कर दिया जाता है कि जिस कार्य के लिए ऋण लिया था, वह काम ही नहीं चल पाया। इसलिए उसे बंद कर दिया है। ग्रामीण श्तर पर तैनात कर्मचारियों की कमी से भी कृषि की विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन समय पर नहीं हो पाता। इसकी औपचारिकताएं भी काफी जटिल होती हैं। काफी भागदौड़ करनी पड़ती है। इसलिए वे ऐसी योजनाओं के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। यदि सरकार कृषि व्यवसाय के उत्थान का प्राथमिकता के आधार पर हल निकाले, तभी बेरोजगारी भी कम होगी तथा दिनोंदिन बढ़ती महंगाई पर भी अंकुश लगेगा। इसके लिए नई योजनाएं बनाएं तथा उन्हें ईमानदारी से लागू कराएं। गांवों में सेवाओं का परस्पर आदान-प्रदान होता है।

गांव को परिवार के ऊपर वाली इकाई माना जाता है। परिवार के श्तर पर भी कार्य विभाजन होता है, लेकिन गांव श्तर पर उससे भी बड़ा कार्य विभाजन होता है। कोई जूतों की रिपेयर करता है, कोई बाल काटने का व्यवसाय करता है, कोई मिट्टी के बर्तन बनाता है, कोई पशुपालन करता है, कोई कृषि कार्य करता है, कोई ऊनी वस्त्र बनाने का काम करता है, तो कोई अन्य सेवाओं की आपूर्ति करता है। इस तरह गांव को आत्मनिर्भर इकाई माना जाता है। आत्मनिर्भर गांव के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायतों को मजबूत करने की भी कोशिश होनी चाहिए। पंचायतों के आर्थिक संसाधन बढ़ाकर वे गांवों के समुचित विकास में योगदान कर सकती हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बना सकती हैं।

ट्रंप का टैरिफ तोहफ़ा है चुनौती

विनीत नारायण

ट्रंप ने भारत को 'डेड इकॉनमी' कहकर निशाना बनाया, और यह कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाला देश है। उन्होंने भारत की 'गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाओं' की भी आलोचना की-जिनका अर्थ है कि भारत तकनीकी, प्रशासनिक या नियामक उपायों के ज़रिए विदेशी कंपनियों को यहां व्यापार करने से रोकता है या कठिन बनाता है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक व्यापार संतुलन को झकझोर दिया है-और इस बार सीधा निशाना भारत पर लगाया गया है। ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा, साथ ही रूस से तेल और हथियार खरीदने के लिए भारत को दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

यह फैसला भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में अचानक तनाव बढ़ाने वाला है, और इसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत की विदेश नीति अब प्रभावशीलता खो रही है या फिर यह भू-राजनीतिक दबाव के सामने चुप रह जाने की रणनीति का परिणाम है।

ट्रंप की इस घोषणा का समय भी ध्यान देने योग्य है। पिछले कुछ महीनों से भारत और अमेरिका के बीच एक संभावित व्यापार समझौते को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे थे। द्विपक्षीय वार्ताएं हो रही थीं, और यह माना जा रहा था कि दोनों देश अपनी व्यापार नीति में स्थायित्व और सहकारिता की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन ट्रंपकी घोषणा ने इस प्रक्रिया को एक झटके में उलट दिया।

ट्रंप ने भारत को 'डेड इकॉनमी' कहकर निशाना बनाया, और यह कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाला देश है। उन्होंने भारत की 'गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाओं' की भी आलोचना की-जिनका अर्थ है कि भारत तकनीकी, प्रशासनिक या नियामक उपायों के ज़रिए विदेशी कंपनियों को यहां व्यापार करने से रोकता है या कठिन बनाता है। उन्होंने यह आरोप भी जोड़ा कि भारत, रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद जारी रखकर यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका की नीति का खुला उल्लंघन कर रहा है।

इस कदम का प्रत्यक्ष असर भारत के उन क्षेत्रों पर पड़ सकता है जो अमेरिका को निर्यात के मामले में सबसे महत्वपूर्ण हैं-जैसे फार्मास्यूटिकल्स, रत्न और आभूषण, टेक्सटाइल, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और ऑटोमोबाइल। 25% का टैरिफ इन उत्पादों की अमेरिकी बाज़ार में प्रतिस्पर्धात्मकता को सीधे प्रभावित करेगा। यानी भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाज़ार अब पहले जितना सुलभ नहीं रहेगा।

विपक्ष ने इसे लेकर तुरंत सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्रंपके 'डेड इकॉनमी' वाले बयान का स्वागत करते हुए कहा, "ट्रंपसही हैं। पूरी दुनिया जानती है कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है-सिर्फ प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर।" राहुल गांधी ने नोटबंदी और जीएसटी को इस 'मृत्यु' का कारण बताया और सरकार की आर्थिक नीतियों को पूरी तरह विफल करार दिया।

यह प्रतिक्रिया राजनीति की परंपरागत लड़ाई से आगे निकल गई, और सीधे-सीधे विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार की स्थिति को कठघरे में खड़ा कर दिया गया। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, "हम अमेरिका को सबसे अधिक फार्मास्यूटिकल्स निर्यात करते हैं। अगर 25% टैरिफ लगाया गया, तो ये दवाएं महंगी होंगी, मांग घटेगी, और इससे उत्पादन तथा रोजगार पर सीधा असर पड़ेगा।"

विपक्ष के अन्य नेताओं ने भी इस मुद्दे को व्यापक रूप से उठाया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए "बुरे दिनों की शुरुआत" है। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ट्रंपको "व्हाइट हाउस का जोकर" कहकर कटाक्ष किया, लेकिन साथ ही सरकार की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

हालांकि, कांग्रेस में भी शशि थरूर जैसे कुछ नेताओं ने ज़्यादा संतुलित दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने चेताया कि भारत को केवल अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और अपने निर्यात बाज़ारों में विविधता लानी होगी, वरना इस तरह के झटके भारत की समग्र अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इस मुद्दे पर विशेषज्ञों की राय भी दो भागों में बंटी हुई है। कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इस टैरिफ का प्रभाव सीमित होगा और भारत अन्य बाज़ारों की ओर रुख कर सकता है। लेकिन कई विशेषज्ञों ने इसे दीर्घकालिक नुकसान की चेतावनी के रूप में देखा है।

ICRA की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, "प्रश्तावित टैरिफ और दंड हमारी अपेक्षा से अधिक हैं। इससे भारत की जीडीपी वृद्धि पर असर पड़ सकता है। इसका प्रभाव इस पर निर्भर करेगा कि टैरिफ की प्रकृति और अवधि कितनी लंबी है।" EY इंडिया के व्यापार नीति विशेषज्ञ अग्नेश्वर सेन ने कहा कि "समुद्री उत्पाद, फार्मा, टेक्सटाइल और चमड़ा जैसे क्षेत्र भारत-अमेरिका व्यापार में प्रमुख हैं और इनकी प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ेगा।"

फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट के राहुल अहलूवालिया ने कहा कि "भारत को अब चीन और वियतनाम जैसी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले कमज़ोर समझा जाएगा। सप्लाई चेन का भारत की ओर स्थानांतरण जो कोविड के बाद एक संभावना बनता दिख रहा था-वह अब दूर जाता दिख रहा है।"

इसके विपरीत, फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने अपेक्षाकृत आशावादी स्वर अपनाते हुए कहा कि "यह कदम दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन शायद अस्थायी हो। हमें उम्मीद है कि भारत और अमेरिका जल्द ही किसी स्थायी व्यापार समझौते पर पहुंचेंगे।"

भारत सरकार ने फिलहाल संयमित रुख अपनाया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि "राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। भारत ने एक दशक में 'फ्रैजाइल फाइव' से दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने का सफर तय किया है।" सरकारी सूत्रों ने संकेत दिया कि भारत जवाबी टैरिफ लगाने के बजाय संवाद और कूटनीतिक माध्यम से समाधान तलाशेगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "हम इस मुद्दे पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से बच रहे हैं क्योंकि यह बहुत संवेदनशील मामला है। चुप्पी सबसे अच्छा जवाब है-और हम बातचीत की मेज़ पर इसे सुलझाएंगे।"

लेकिन क्या चुप्पी वाकई सबसे अच्छा जवाब है? यह सवाल इस पूरे विवाद के केंद्र में है। क्योंकि भारत जिस तरह से वैश्विक शक्ति समीकरणों में अपनी जगह बना रहा है, उसके लिए यह जरूरी है कि वह हर चुनौती का सार्वजनिक और स्पष्ट उत्तर दे-केवल घरेलू राजनीति के लिए नहीं, बल्कि अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के लिए भी।

ट्रंपकी यह घोषणा भारत-अमेरिका संबंधों में केवल एक व्यापारिक मोड़ नहीं है। यह उस व्यापक कूटनीतिक असंतुलन की ओर इशारा करती है, जहां भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और भू-राजनीतिक विकल्पों को एक साथ साधना होगा। यदि भारत अमेरिकी दबाव में झुकेगा, तो वह रूस, ईरान, और वैश्विक दक्षिण के साझेदारों के बीच अपना विश्वास खो देगा। और यदि वह पूरी तरह टकराव की नीति अपनाता है, तो अमेरिका जैसे साझेदार से टकराव उसकी आर्थिक आकांक्षाओं को चोट पहुंचा सकता है।

इसलिए यह संकट सरकार के लिए एक नीतिगत परीक्षा है-जिसमें केवल आंकड़ों, दरों या निर्यात आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति, कूटनीतिक परिपक्वता, और रणनीतिक संतुलन की असली परीक्षा है। यह कोई सामान्य टैरिफ नहीं-यह एक संकेत है। और भारत को तय करना होगा कि वह इस संकेत को चेतावनी मानेगा या अवसर।

ट्रंप का व्यवहार प्रधानमंत्री के लिए एक भू-राजनीतिक चुनौती

नित्य चक्रवर्ती

भारत पर उच्च टैरिफ़ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज़्यादा जुड़े हुए हैं। डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए इस देश पर 11 साल तक निर्विवाद नेता के रूप में शासन करने के बाद परीक्षा की घड़ी आ गयी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को घोषित और शुक्रवार, 1 अगश्त से प्रभावी, भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं है, बल्कि इसका संबंध इस विलक्षण राष्ट्रपति के अपने कभी अच्छे दोश्त रहे मोदी के प्रति नए दृष्टिकोण, उनके टैरिफ को भू-राजनीति के संचालक के रूप में इश्तेमाल किए जाने, और ट्रंप के इस सिद्धांत की स्थापना से है कि जो हमारे साथ नहीं हैं, वे हमारे खिलाफ हैं।

नरेंद्र मोदी के लिए, 2014 से शुरू हुए उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत-अमेरिका संबंधों की स्थिति इतनी निम्न श्तर पर कभी नहीं रही। ट्रंप ने भारत और अपने प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी का सबसे ज्यादा अपमान किया है, जिन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान और इस साल 20 जनवरी से शुरू हुए दूसरे कार्यकाल में भी ट्रंप को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास किया।

ट्रंप मोदी का अपमान करने पर अड़े रहे, जब प्रधानमंत्री ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में बिना नाम लिए ट्रंप की घोषणा के सन्दर्भ में कहा कि 10 मई को भारत और पाकिश्तान के बीच हुए युद्धविराम समझौते में किसी भी विदेशी नेता की कोई भूमिका नहीं थी। अगले दिन, ट्रंप ने फिर दोहराया कि भारत और पाकिश्तान के बीच युद्धविराम कराने में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह 30वीं बार था, जब उन्होंने यही बात दोहराई।

भारत पर उच्च टैरिफ़ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज़्यादा जुड़े हुए हैं।

डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं। व्यापार वार्ता अभी भी धीमी चल रही है। अब भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ़ वृद्धि के बाद, अगर प्रधानमंत्री के कहने पर भारतीय अधिकारी अमेरिका के आदेश पर अपना रुख़ बदलते हैं, तो टैरिफ़ दर को 25 प्रतिशत से कम करने की प्रक्रिया आसान हो सकती है।

इसके अलावा, रूस से आयात पर भारत पर 100 प्रतिशत तक का जुर्माना लगाने की ट्रंप की धमकी देश के भुगतान संतुलन के लिए एक वाश्तविक ख़तरा बन गई है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में रूस से सश्ते कच्चे तेल के आयात ने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बचाई है जिससे सरकार को मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने में मदद मिली है। अब देखना यह है कि क्या प्रधानमंत्री रूस से सश्ते कच्चे तेल के आयात को जारी रखने का साहस जुटा पाते हैं या आयात में विविधता लाने की प्रक्रिया शुरू करते हैं, हालांकि कीमतें ऊंची होंगी और अधिक विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होगी।

रूसी तेल के इस संदर्भ में, ट्रंप ने यह कहकर अराजनयिक भाषा का प्रयोग किया है कि मृत रूसी और भारतीय, दोनों अर्थव्यवस्थाओं को डूबने दो। यह एक प्रकार के घृणा सिंड्रोम से उपजा है क्योंकि यह असत्य है। भारत एक मृत अर्थव्यवस्था नहीं है। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन वितरणात्मक न्याय और बेरोजग़ारी की समस्याएं हैं। कुछ नीतियां त्रुटिपूर्ण हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है, लेकिन वैश्विक संदर्भ में, भारत अलग नजऱ आता है।

इस मृत अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ट्रंप का समर्थन करके राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की बदनामी ही की है। अर्थशास्त्र के जानकार किसी वरिष्ठ व्यक्ति को विपक्ष के नेता का उचित मार्गदर्शन करना चाहिए। नरेंद्र मोदी निश्चित रूप से बैकफुट पर हैं, लेकिन अगर परिस्थितियां उन्हें ट्रम्प की अवज्ञा करने और उनसे लड़ने के लिए मजबूर करती हैं, तो विपक्ष को उनका समर्थन करना चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण बात ध्यान देने योग्य है। ट्रम्प ने भारत को नाराज़ करने के लिए पाकिश्तान के साथ तेल अन्वेषण पर जल्दबाज़ी में एक समझौते का वायदा किया। पाकिश्तानी मीडिया में इसका कोई संकेत नहीं था।किसी को नहीं पता कि इतने बड़े भंडार कहाँ हैं और क्या वे वाश्तव में अन्वेषण और विकास के लायक हैं। लेकिन ट्रंप ने यह कहकर मज़ाक उड़ाया कि शायद पाकिश्तान एक दिन भारत को तेल बेचेगा।

सच कहूं तो, अमेरिका के साथ मौजूदा व्यापार वार्ता में भारत का ज़्यादा दबदबा नहीं है। अमेरिका कृषि उत्पादों, खासकर डेयरी उत्पादों के मामले में भारतीय बाज़ार में अपनी पहुंच को लेकर बहुत अड़ा हुआ है। इसके ऐतिहासिक कारण हैं। अमेरिकी किसानों की कांग्रेस और व्हाइट हाउस में एक मज़बूत लॉबी है। किसान संगठन के नेता सरकार का भाग्य तय करते हैं। यह लेखक दिसंबर 1999 में अमेरिका के सिएटल में विश्व व्यापार संगठन की मंत्रिश्तरीय बैठक में मौजूद था।

उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन थे। बैठक बिना किसी घोषणा के ही रद्द हो गई क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच किसानों की सब्सिडी के मुद्दे पर बहस छिड़ गई और कोई भी पक्ष समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। इसका अगले साल होने वाले चुनावों में डेमोक्रेट्स पर बड़ा असर पड़ा।

दरअसल, 2020 के राष्ट्रपति चुनावों में रिपब्लिकन जॉर्ज बुश जीत गए थे और डेमोक्रेटिक पार्टी हार गई थी। इसलिए ट्रम्प भी किसानों के बीच अपने समर्थन आधार को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि उनके कृषि उत्पादों को भारतीय बाज़ार तक व्यापक पहुंच मिल सके। नरेंद्र मोदी ने इस पर ध्यान दिया होगा, लेकिन अपनी पार्टी के आधार को बचाने में भी उनकी उतनी ही रुचि है।

अब, उभरता परिदृश्य क्या है? दो संभावनाएं हैं-पहली, हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय और ट्रम्प कार्यालय के श्तर पर गुप्त बातचीत के माध्यम से, अमेरिकी पक्ष की कु छ मांगों को पूरा करते हुए एक तरह का व्यापार समझौता हो जाए और प्रधानमंत्री खेमा इसे एक बड़ी जीत के रूप में पेश करे। अगर ऐसा संभव नहीं होता है और वार्ता विफल हो जाती है, तो प्रधानमंत्री के सामने एक बड़ा विकल्प होगा।

वह 31 अगश्त और 1 सितंबर को चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति पुतिन भी इसमें शामिल होंगे। प्रधानमंत्री अपनी विदेश नीति को संतुलित कर सकते हैं और अमेरिका के प्रति अधिक स्वतंत्र रुख अपना सकते हैं।

दूसरे विकल्प के लिए, प्रधानमंत्री को क्वाड पर भारत के रुख पर तुरंत निर्णय लेना होगा, जिसके चार सदस्य अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं। भारत 2025 में होने वाले इस शिखर सम्मेलन का मेज़बान है।

इस साल के अंत में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप भारत आने वाले हैं। अगर भारत-अमेरिका संबंध इसी तरह चलते रहे और ट्रंप का आक्रामक रवैया बना रहा, तो इसका नरेंद्र मोदी और क्वाड शिखर सम्मेलन से निपटने के उनके तरीके पर क्या प्रभाव पड़ेगा? - यह एक बड़ा मुद्दा है।

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

अशोक मधुप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगश्त से लागू होना था, जो अब सात अगश्त से लागू होगा।

ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिश्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगश्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है।

साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिश्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिश्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था।वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है।

ट्रम्प ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था।इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को 'बुरा बिजनेस फैसला' बताया।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी , महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है।

अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है।

अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं। अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं।

मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2% हो गई । अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, 'अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।'अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है।

ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।

भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगश्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है।

भारत के 11 से 13 मई 1998 में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया । इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। उस समय विशेषज्ञों की ऐसी राय थी कि भारत अलग-थलग पड़ जाएगा और इसकी अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी।

इन प्रतिबंध का भारत सफलतापूर्वक सामना कर अपने को अडिग साबित करने में कामयाब रहा। सात साल बाद अमेरिका ने इसे एक असाधारण मामले के रूप में मानते हुए, भारत को मुख्य धारा में लाने के लिए पहला कदम उठाया, जिसकी परिणति 2005 में भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के रूप में हुई।

भारत परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों में नही झुका तो अब तो उसकी हालत बहुत मजबूत है।एक कुशल नेतृत्व उसके पास है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल न ले।भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने हितों से कोई समझौता नही करेगा। भारत रूस से पहले की तरह तेल लेता रहेगा। इतना ही नही भारत ने अमेरिका की आंख की किरकिरी ईरान से भी तेल खरीदने की घोषणा कर दी है। उधर अमेरिका को इस घटनाक्रम के बाद साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ35 लड़ाकू विमान नहीं ख़रीदेगा।

अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तै किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी।हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है।

यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी।

इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम , अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सोफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सोफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो। भारत और टैरिफ वार के शिकार देशों को डालर में खरीद फरोख्त बंद करनी पर होगी।

भारत ने रूस और कुछ अन्य देशों के साथ अपनी मुद्रा में खरीदारी शुरू कर दी है। यदि सभी देशों द्वारा डालर का विकल्प खोजकर व्यापार शुरू किया जाता है तो अमेरिका के लिए ये बड़ा झटका होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

17 जिलों में बाढ़ के हालात, नौ की मौत, कई शहरों में स्कूल हुए बंद

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में मानूसन पूरी तरह से सक्रिय है। प्रदेश में नदियों से सटे हुए 17 जिलों में बारिश का कहर है। रविवार को अलग-अलग जिलों में बारिश की वजह से नौ मौतें हुई। सोमवार की सुबह सीतापुर जिले में दीवार गिरने से दो किशोरियों की मौत हो गई। यह संख्या जोड़ लें तो 24 घंटे में प्रदेश में बारिश से 11 मौतें हो गई है। भारी बारिश को देखते हुए राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

17 जिलों बाढ़ की चपेट में, सीएम योगी ने दिए निर्देश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों और राहत विभाग को जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे हैं, ताकि राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। टीम-11 में शामिल मंत्रियों ने भी बाढ़ प्रभावित जिलों का रविवार को निरीक्षण किया। वर्तमान में प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इन जिलों की 37 तहसीलें और 402 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ प्रभावित जिलों में कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाज़ीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं। इन सभी जिलों में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। वहीं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी के जवान चौबीसो घंटे पेट्रोलिंग कर रहे हैं।

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 17 जिलों में कुल 84392 लोग प्रभावित हैं, जिनमें से 47906 लोगों को राहत सामग्री दी गई है। बाढ़ की वजह से 2759 मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 343 लोगों के मकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से 327 लोगों को सहायता राशि मिल चुकी है।

प्रदेश में 4015 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की चपेट में आया है। इन प्रभावित क्षेत्रों में 493 नावों और मोटरबोट की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इन इलाकों में अब तक 6536 खाद्यान्न पैकेट और 76632 लंच पैकेट बांटे गए हैं। 29 लंगरों के जरिये पीड़ितों को भोजन की सुविधा दी जा रही है।

यूपी में मानसून पूरी तरह से प्रभावी है। आज के लिए प्रदेश के तराई और आगरा मंडल के 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 31 अन्य जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है और 64 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसूनी ट्रफ लाइन अभी भी प्रदेश के तराई इलाकों की ओर है। आज तराई व आगरा क्षेत्र में भारी बारिश के आसार हैं।

कल रविवार को तराई, पूर्वांचल समेत विभिन्न इलाकों में अच्छी बारिश देखने को मिली। तराई के कई जिलों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। लखीमपुर खीरी और भदोही में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं चित्रकूट और प्रतापगढ़ में 110 मिमी, अलीगढ़ में 100 मिमी, वाराणसी, बलिया, प्रयागराज, मिर्जापुर में 90 मिमी बारिश हुई। रविवार की देर शाम गोंडा, बहराइच, सीतापुर, बाराबंकी में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई।

यहां है भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, मथुरा, हाथरस, आगरा, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

यहां है भारी बारिश का यलो अलर्ट

संतकबीरनगर, बस्ती, महाराजगंज, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, अयोध्या, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, जालौन व आसपास के इलाकों में।

लखनऊ सहित कई जिलों में अवकाश

लखनऊ में रविवार से हो रही भारी बारिश के चलते एक से लेकर 12वीं तक के सभी बोर्ड के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश पांडेय के द्वारा यह अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जो बच्चे स्कूल के लिए रवाना कर दिए गए हैं उन्हें वापस बुला लिया जाए। आदेश के देर से आने से कई स्कूलों के बच्चे रवाना हो गए थे। मालूम हो कि लखनऊ में बारिश रविवार से लगातार हो रही थी।

अन्य जिलों में भी अवकाश घोषित

लखनऊ के अलावा रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, बहराइच और अंबेडकर नगर में भी अवकाश घोषित किया गया है। डीएम के द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।

पुलिस ने दो बाल अपचारी सहित छह लुटेरे पकड़े

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना खैर इलाके में पुलिस ने 6 लुटेरों को पकड़ लिया, इनमे दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। पुलिस को इनके पास से भारी मात्रा में नकली नोटों के अलावा लूटी गई बाइक व स्कूटी मिली है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त कार और तमंचा कारतूस भी मिले, दो लूट की घटनाओ का भी खुलासा किया है। सीओ खैर वरुण कुमार सिंह ने बताया कि लूटेरों को नाइल बांकनेर रोड नगर पालिका की दीवार के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में अपनी पहचान अमित पुत्र राम खिलाड़ी निवासी मार बीन वाली गली मोहल्ला नगला कलार, शिवम उर्फ शिवा पुत्र महाराज सिंह निवासी खेरेश्वर मंदिर के पास थाना रोरावर, लकी उर्फ रोमियो पुत्र नवरत्न सिंह निवासी सूत मिल चौराहा, विशाल पुत्र सतीश निवासी बाल्मिक बश्ती नगला कलार के रूप में बताई। जबकि इनके अलावा दो बाल अपचारी भी हैं। पुलिस को इनके पास से 1 लाख 45 हजार 200 के नकली नोट, एक लूटी गई बाइक और स्कूटी एक्टिवा के अलावा चार तमंचा, आठ जिन्दा कारतूस मिले हैं। घटना में प्रयुक्त एक कार भी बरामद हुई है।

जिला बदर प्रधान के विरोध में मार्च डीएम को सौंपा ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अतरौली क्षेत्र के गांव खेड़ा के जिला बदर प्रधान अमित कुमार के मामले में प्रधान संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया है। ग्राम प्रधानों और लोधी समाज के लोगों ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह पार्क से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने प्रधान अमित कुमार का जुलूस निकाला था। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रधान के खिलाफ हुई जिला बदर की कार्रवाई को वापस लेने की मांग की। साथ ही जुलूस निकालने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की गई। प्रधान संगठन का कहना है कि अमित कुमार पर फर्जी मुकदमे लगाए गए थे। उन्होंने इन मुकदमों की जांच कराने और जिला बदर की कार्रवाई वापस लेने की मांग की है। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने प्रदर्शनकारियों को एटीएम के न्यायालय में अपील डालने का सुझाव दिया है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर मामले का हल निकालने का आश्वासन भी दिया है।

दो पक्षों के बीच मारपीट, दोनो पक्षों में आठ लोग घायल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना देहलीगेट इलाके में दो पक्ष आमने सामने आ गए। मारपीट में दोनो तरफ से आठ लोग घायल हो गए। घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। एक पक्ष से तीन और दूसरे से पॉच लोग घायल हुए हैं। विवाद का कारण गाली गलौज करना बताया जा रहा है। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई। घायलों को इलाज और मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल मलखान सिंह भेज। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

शहर के थाना देहलीगेट इलाके के नगला मेहताब में रहने वाली सुमन देवी ने बताया कि पति प्रमोद कुमार दिव्यांग व्यक्ति है। उनके साथ पड़ोसी ने बेवजह गाली गलौज करते हुए दारू पीने का आरोप लगाते हुए मारपीट कर दी। मारपीट होता देख वह और उसका बेटा प्रशांत बचाने गए तो उनको भी पीट दिया। तीनों पर लाठी डंडे से प्रहार कर घायल कर दिया। उधर, दूसरे पक्ष से घायल महिला पूरन देवी ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाला प्रमोद दारू के नशे में गाली गलौज कर रहा था। सामान लेने जा रहे सबसे छोटा बेटे सुशांत से प्रमोद ने गाली गलौज की। उसने विरोध किया।

कमिश्नर सहित अन्य अधिकारियों ने तैयारियों का लिया जायजा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 05 अगश्त को प्रशतावित अलीगढ़ दौरे के दृष्टिगत तैयारियों की जमीनी हकीकत परखने के लिर आयुक्त अलीगढ़ मण्डल श्रीमती संगीता सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक प्रभाकर चौधरी, जिलाधिकारी संजीव कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल नुमाइश मैदान एवं आईटीआई परिसर में बन रहे हैलीपैड स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा, आवागमन, जनसभा स्थल की व्यवस्था, वीवीआईपी मूवमेंट तथा आकस्मिक व्यवस्थाओं की समुचित समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध एवं मानक अनुसार पूर्ण हों।

आयुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन के दृष्टिगत कोई भी व्यवस्था अधूरी न रहे। कार्यक्रम की गरिमा के अनुसार हर विभाग अपनी ज़म्मिेदारी को पूरी सजगता के साथ निभाए।

चारबाग की एंट्री व्यवस्था होगी बेहतर

आरक्षण केंद्र के पीछे बनेगा स्काईवॉक, मेट्रो स्टेशन से जुड़ेगा

लखनऊ, एजेंसी। चारबाग रेलवे स्टेशन की एंट्री व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब स्टेशन में एंट्री के लिए दो और लेन तैयार की जाएंगी, जिससे कुल चार लेन से यात्री स्टेशन में प्रवेश कर सकेंगे। नई डबल लेन ऑफिसर्स रेस्ट हाउस के पास बनाई जाएगी। यहां से यात्रियों को मेट्रो कनेक्टिविटी देने के लिए स्काईवॉक भी तैयार किया जाएगा। स्काईवॉक के जरिये यात्री सीधे मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। इसका ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है।

चारबाग स्टेशन का यह अपग्रेडेशन कार्य रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से करा रहा है। इस योजना के तहत स्टेशन की सेकेंड एंट्री पर नई बिल्डिंग का निर्माण हो रहा है और कॉन्कोर्स के लिए नींव डाली जा रही है। अब स्टेशन पर ट्रैफिक प्रबंधन सुधारने के लिए एंट्री और एग्जिट व्यवस्था में भी बदलाव किया जा रहा है।

फिलहाल चारबाग स्टेशन की मुख्य एंट्री आरक्षण केंद्र के सामने वाली सड़क से होती है, जो लखनऊ जंक्शन और कैबवे की ओर जाती है। नई योजना के अनुसार, ऑफिसर्स रेस्ट हाउस के पास स्थित सड़क चौड़ीकर डबल लेन बनाई जाएगी, जो स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया से जुड़ेगी। इससे यात्रियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और एंट्री के दो विकल्प हो जाएंगे।

नरमू कार्यालय और गार्ड लॉबी हटेंगे: इस सड़क को चौड़ा करने के लिए ऑफिसर्स रेस्ट हाउस के पास मौजूद रेलवे कॉलोनी, गार्ड लॉबी और नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन (नरमू) के कार्यालय को हटाया जाएगा। इन भवनों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। यूनियन को अन्यत्र स्थान पर कार्यालय देने पर विचार किया जा रहा है।

मेट्रो के लिए स्काईवॉक कनेक्टिविटी

चारबाग मेट्रो स्टेशन पहले ही लखनऊ जंक्शन से लिफ्ट और एस्केलेटर के माध्यम से जुड़ा हुआ है। इसी तरह अब चारबाग रेलवे स्टेशन के यात्रियों को मेट्रो तक पहुंचाने के लिए ऑफिसर्स रेस्ट हाउस के पास से स्काईवॉक बनाया जाएगा, जिससे सीधे दुर्गापुरी मेट्रो स्टेशन तक पहुंचा जा सकेगा।

हरियाली और सुंदरीकरण की योजना

रिक्शा गली और ऑटो गली बंद करने की भी योजना है। इन स्थानों पर हरियाली बढ़ाकर गांधी उद्यान और आसपास के क्षेत्र का लुक बदला जाएगा। स्टेशन की पार्किंग में मौजूद पेड़ों को काटने से बचाने और आसपास पौधारोपण की योजना भी तैयार की गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम), उत्तर रेलवे कुलदीप तिवारी का कहना है कि चारबाग स्टेशन पर ऑफिसर्स रेस्ट हाउस के पास से भी एंट्री तैयार की जाएगी। यहां सड़क चौड़ी होगी और यूनियन कार्यालय को स्थानांतरित किया जा सकता है। स्काईवॉक बनाकर मेट्रो स्टेशन से सीधा संपर्क जोड़ा जाएगा, जिससे यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

बिजली कंपनियों पर सरकारी विभागों का 15569 करोड़ बकाया, निजीकरण होने वाली कंपनियों पर बकाया 8591 करोड़

लखनऊ , एजेंसी। बिजली कंपनियों का सरकारी विभागों पर 15569 करोड़ बकाया है। सरकारी विभाग बिजली कंपनियों का बकाया जमा कर दें तो वे घाटे से उबर सकती है। बिजली कंपनियों को एक लाख करोड़ के घाटे में बताया जा रहा है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों का निजीकरण किया जा रहा है।

सभी बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का कुल बकाया करीब एक लाख 15 हजार करोड़ है। 31 मार्च 2025 तक सरकारी विभागों के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अधीनस्थ कार्यालयों और स्थानीय निकायों पर कुल बकाया 15569 करोड़ है। सबसे ज्यादा सरकारी बकाया दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में 5398 करोड़ और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में 3193 करोड़ है।

निजीकरण के लिए प्रस्तावित दोनों बिजली कंपनियों का कुल सरकारी बकाया लगभग 8591 करोड़ है। छह माह के अंदर सरकारी विभागों पर कुल बकाया लगभग 4500 करोड़ है। निजीकरण की बात शुरू होने के बाद कोई

सरकारी विभाग इन दोनों बिजली कंपनियों में बिजली का बिल ही नहीं दे रहा है।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि केवल सरकारी बकाया बिजली कंपनियों को सरकार तुरंत दे दे तो बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति ठीक हो जाएगी।

उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि सभी बिजली कंपनियों में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सरकार के आईएएस अफसर है। वह सरकारी विभागों के बिजली बकाया को भी नहीं दिला पा रहे हैं । ऐसे में उनकी दक्षता कितनी है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है ।

अलग-अलग थाना क्षेत्र से छह अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज दोपहर 1:00 बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर माननीय विधायक नगीना मनोज पारस, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेंद्र सिंह, खनिज अधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि जिला खनिज फाउण्डेशन न्यासों की संरचना और उनके कृत्यों का विनियमन करने और खनन क्रियाकलापों के प्रभावित क्षेत्रों में विकास सम्बन्धी क्रियाकलाप सम्पादित करने की रीति को विहित करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास नियमावली, 2017 का निर्माण किया गया है।

उन्होंने बताया कि न्यास निधि/उक्त खाते से नियमावली में दी गयी व्यवस्थानुसार कुल धनराशि का कम से कम 60 प्रतिशत खनिज प्रभावित क्षेत्र में पेय जल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियन्त्रण के उपाय, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, वयोवृद्ध एवं निःशक्त लोगों का कल्याण, कौशल विकास, स्वच्छता पर व्यय किया जाना है।

महात्मा विदुर सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की बैठक संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज दोपहर 01:00 बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर माननीय विधायक नगीना मनोज पारस, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेंद्र सिंह, खनिज अधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि जिला खनिज फाउण्डेशन न्यासों की संरचना और उनके कृत्यों का विनियमन करने और खनन क्रियाकलापों के प्रभावित क्षेत्रों में विकास सम्बन्धी क्रियाकलाप सम्पादित करने की रीति को विहित करने की दृष्टि से उत्तर प्रदेश जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास नियमावली, 2017 का निर्माण किया गया है।

उन्होंने बताया कि न्यास निधि/उक्त खाते से नियमावली में दी गयी व्यवस्थानुसार कुल धनराशि का कम से कम 60 प्रतिशत खनिज प्रभावित क्षेत्र में पेय जल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियन्त्रण के उपाय, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, वयोवृद्ध एवं निःशक्त लोगों का कल्याण, कौशल विकास, स्वच्छता पर व्यय किया जाना है।

40 प्रतिशत धनराशि अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र भौतिक अवसंरचना, सिंचाई, ऊर्जा एवं जल विभाजक विकास, खनन वाले जिले में पर्यावरणीय गुणवत्ता में वृद्धि करने के लिए कोई अन्य उपाय, फाउण्डेशन के न्यासियों द्वारा उक्त परियोजना के लिए तैयार की गयी वार्षिक कार्य योजना के अनुसार जिले में खनन सक्रियाओं से प्रभावित क्षेत्रों का विकास सामाजिक और आर्थिक परियोजना के लिए स्थानीय अवसंरचना का सृजन, रोजगार एवं स्वरोजगार क्षमताओं के सृजन के लिए कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, के साथ वर्ष में प्राप्त न्यास द्वारा प्राप्त कुल निधि की अनाधिक 5 प्रतिशत धनराशि न्यास द्वारा अपने प्रशासनिक या अधिष्ठान व्ययों की पूर्ति के लिए व्यय की जा सकती है।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने निर्देश दिए कि प्रशताव को सापेक्ष जनपद के आकाक्षांत्मक विकास खण्ड कोतवाली में 09 तथा नजीबाबाद में 12 प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में 01-01 एस्ट्रोनॉमी लैब निर्माण, विकास खण्ड कोतवाली में संचालित कश्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय ग्राम महेशपुर (हीरावाली) में इंटरलॉकिंग का कार्य तथा कश्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पुरैनी में मिटटी भराव कार्य, विकास खण्ड नजीबाबाद में 02 समग्र विद्यालयों बैरमपुर व सिकरोडा तथा 01 प्राथमिक विद्यालय इस्सेपुर में अतिरिक्त कक्षा कक्ष का निर्माण कार्य, विकास खण्ड नजीबाबाद में 03 तथा विकास खण्ड कोतवाली में 02 नग आंगनबाडी केन्द्रों का निर्माण सहित अन्य प्रशतावित कार्यों को नियमानुसार नामित कार्यदायी संस्था से ही कराया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि खनिज फाउण्डेशन न्यास निधि में उपलब्ध धनराशि को जन प्रतिनिधियों द्वारा प्रशतावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल कर उसे पूरा कराएं। उन्होंने विधायक नगीना पारस द्वारा प्रशतावित धर्मशालाओं में टायल्स आदि के कार्य के प्रशताव को कार्य योजना में शामिल करने के निर्देश दिए।

सावन का चौथा सोमवार: गोरखपुर के शिव मंदिरों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, उमड़ा आस्था का सैलाब

गोरखपुर , एजेंसी। सावन के अंतिम सोमवार को शिवालियों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। विशेष दिन के अवसर पर भक्तों ने बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित कर जलाभिषेक और दुग्ध अभिषेक किया।

सुबह से ही शिवालियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगीं। भक्त अपनी बारी का इंतजार करते हुए भगवान शिव की पूजा में लीन दिखे। महादेव झारखंडी मंदिर, मुक्तेश्वर नाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर, गोरखनाथ मंदिर और बाबा मुंजेश्वर नाथ मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग मार्केटिंग की गई थी और मंदिर समितियों के युवा सदस्य तथा पुलिस ने श्रद्धालुओं की सहायता की।

जिले में नई पहल: मंडल का पहला जिला बना कुशीनगर

डीएम ने लागू किया ड्रेस कोड; जींस-टीशर्ट में नहीं आ सकेंगे दफ्तर

कुशीनगर , एजेंसी। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने राजस्व परिषद के कर्मचारियों के लिए जो ड्रेस कोड लागू है उसका अनुपालन करने हेतु कलेक्ट्रेट और तहसीलों के सरकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं। डीएम ने निर्देशित किया है कि फॉर्मल ड्रेस में ही कार्यालय आना कर्मचारी सुनिश्चित करें। ड्रेस का भुगतान भी जनपद स्तर से किया जाएगा।

स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि रंग-बिरंगी वेशभूषा में कार्यालय में कर्मचारी उपस्थित न हों। लेखपाल अमीन राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार , तहसीलदार सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफेद शर्ट और ब्लेजर, नीला पैंट पहनना होगा और शर्ट पर परिषद का प्रतीक चिह्न लगाना होगा, जिससे उनकी पहचान आसानी हो सकेगी

यह निर्णय परिषद की अलग पहचान बनाने के लिए लिया गया है। डीएम ने बताया कि 'ड्रेस कोड' का पालन करने से आसानी से यह पता चल सकेगा कि वह राजस्व परिषद के कर्मचारी हैं। उन्होंने ने सभी एसडीएम को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। डीएम के इस फैसले की क्षेत्र में भी काफी चर्चा है।

युवा से लेकर बुजूर्ग सभी फैसले की तारीफ कर रहे हैं। कप्तानगंज क्षेत्र के प्रांजल ने कहा कि पहली बार होगा कि जिले के अधिकारी को अर्दली या किसी सहयोगी से उनका नाम पूछकर नहीं पहचाना जाएगा। उनका खुद का आई कार्ड ही उनकी पहचान बन जाएगा। जिले का तारकेश्वर ने कहा कि ये फैसला अफसरशाही के धमक को कम कर लोगों के सहयोग में जिला प्रशासन खड़ा है, ये संदेश देगा।

शर्ट व ब्लेजर पर लगाएं चिह्न

साथ ही स्पष्ट किया है कि क्षेत्रों में जाने वाले कर्मचारी जैसे लेखपाल, अमीन व राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदारों को शर्ट व ब्लेजर पर परिषद का प्रतीक चिह्न लगाना चाहिए। जिससे उनकी अलग पहचान बन सके। डीएम ने ड्रेस कोड लागू करने का उद्देश्य है कि कर्मचारियों को कार्यालय में एक विशिष्ट प्रकार की पोशाक पहननी होगी, जो पेशेवर और सम्मानजनक हो। ड्रेस कोड का उद्देश्य कर्मचारियों को एक समान और पेशेवर रूप देना है, जिससे कार्यालय का माहौल बेहतर हो सके। यह कर्मचारियों को अनुशासित और संगठित रहने में भी मदद करता है। नए ड्रेस कोड की शुरुआत तहसील समाधान दिवस के अवसर पर तहसील कसया से शुरुआत हुई सभी कर्मचारी ड्रेस में मौजूद रहे।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती लगातार सातवीं टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में सोमवार को खेले गए तीसरे टी20 मैच को 13 रन से अपने नाम किया। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को लगातार सातवीं बार टी20 सीरीज में मात दी है। पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया, जिसमें मेहमान टीम इकलौते टी20 मैच को गंवा बैठी। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों मैच अपने नाम किए। 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया, जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध एक बार फिर 3-0 से क्लीन स्वीप किया। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी, लेकिन सीरीज के तीन मुकाबले बेनतीजा रहे। शेष इकलौते मैच को पाकिस्तान ने सात रन से अपने नाम कर सीरीज 1-0 से जीती। 2021/22 में पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है। फ्लोरिडा में चार अगस्त को खेले गए मुकाबले की बात करें, तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए चार विकेट खोकर 189 रन बनाए। साहिबजादा फरहान और सईम अयूब ने पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान 53 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सईम अयूब ने 49 गेंदों में दो छक्कों और चार चौकों के साथ 66 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। टीम के लिए एलिक एथनाज ने 40 गेंदों में 60 रन की पारी खेली, जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 35 गेंदों में 51 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पाकिस्तान के लिए हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक शिकार किया।

विश्व चैंपियनशिप ट्रायल्स में अंतिम पंघाल आसानी से जीतीं, वैष्णवी और मनीषा भी भारतीय टीम में

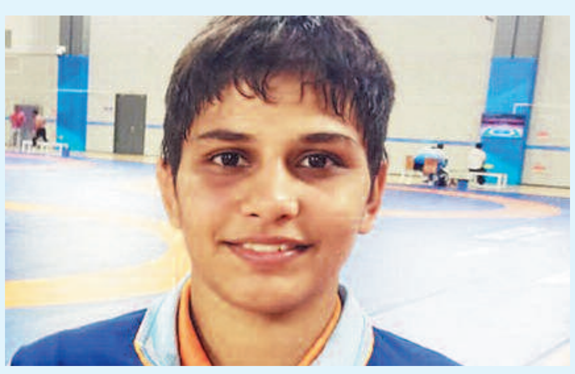

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिम ने रविवार को आईजी स्टेडियम में हुए ट्रायल्स के दौरान अपनी रणनीति के साथ आक्रामक रुख अपनाया। पूजा के खिलाफ उनकी रणनीति कारगर रही। अंतिम ने पहले ही मौके पर 'फितले' का इस्तेमाल किया। महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने रविवार को विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में 53 किग्रा भार वर्ग में बिना किसी परेशानी के भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली जबकि वैष्णवी पाटिल (65 किग्रा) और मनीषा भानवाला (62 किग्रा) ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ क्वालिफाई किया।

अंतिम 20 साल की उम्र में सीनियर विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हिनाबेन को बिना एक भी अंक गंवाए हराया और विजेता बनीं। अंतिम ने 2022 में देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनकर सुर्खियां बटोरी थीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई किया था। लेकिन वह ओलंपिक में विवादों में घिर गई थीं। पेरिस में मैट में उनका प्रदर्शन फीका रहा और उन्होंने अपनी बहन को अपने मान्यता कार्ड पर खेल गांव भेजकर बड़ा विवाद भी खड़ा कर दिया था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया लेकिन ऐसा नहीं किया।

जसप्रीत बुमराह को लगी एक और चोट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओवल टेस्ट में नहीं खेले और इसकी वजह अब सामने आई है. ऐसा माना जा रहा था कि बुमराह को आराम दिया गया है लेकिन रिपोर्ट्स हैं कि वो चोटिल हो गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को इस बार घुटने में चोट लगी है. बता दें 31 जुलाई को जब ओवल टेस्ट का आगाज हुआ था उसी दिन बुमराह को टीम इंडिया से रिलीज कर दिया गया था. बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी थी. लेकिन अब उन्हें रिलीज करने की वजह सामने आ गई है.

बुमराह को लगी चोट गंभीर?

रिपोर्ट के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को घुटने में चोट लगी. अच्छी बात ये है कि बुमराह की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और उसकी सर्जरी नहीं होगी. हालांकि बुमराह के घुटने का स्कैन कराया गया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उनकी स्कैन रिपोर्ट्स का इंतजार है. ऐसी खबर है कि 31 साल का ये गेंदबाज बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के लिए जाएगा. वहां उनपर काम किया जाएगा ताकि वो भविष्य में होने वाले मैचों के लिए फिट हो सकें. हालांकि ऐसी खबरें भी हैं कि बुमराह एशिया कप नहीं खेलेंगे. एहतियातन उन्हें आराम दिया जाएगा.

बुमराह के लिए इंग्लैंड दौर अच्छा नहीं रहा

जसप्रीत बुमराह के लिए इंग्लैंड का दौरा औसत रहा. ये खिलाड़ी सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेला जिसमें उन्होंने 14 विकेट हासिल किए. बड़ी बात ये है कि बुमराह ने दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया लेकिन इसके बावजूद वो 14 ही विकेट हासिल कर सके.

ओवल टेस्ट जीता भारत सीरीज 2-2 से बराबर

लंदन, एजेंसी। भारत ने द ओवल टेस्ट के आखिरी दिन 4 विकेट लेकर 6 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भी 2-2 से बराबर करा ली। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर मैच पलटा और टीम को रोमांचक जीत दिलाई। सोमवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और 4 विकेट बाकी थे। मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लेकर जीत भारत की झोली में डाल रही। द ओवल में गुरुवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 224 और इंग्लैंड ने 247 रन बनाए। 23 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बना दिए। इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट मिला। टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना दिए थे। तभी हैरी ब्रूक सेंचुरी लगाकर आउट हो गए।

यहां से भारत ने 354 तक इंग्लैंड के 8 विकेट गिरा दिए। गस एटकिंसन और जोश टंग ने आखिर में टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन सिराज ने आखिरी विकेट लेकर भारत को करीबी जीत दिला दी। इंजर्ड क्रिस वोक्स भी लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

कैनेडियन ओपनः

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेन शेल्टन, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो, एजेंसी। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के राउंड ऑफ 16 में फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6(1) से हराकर अपने टूर-स्तरीय करियर की 100वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब अगले दौर में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। अपने टूर-स्तर के करियर में अब 100-69 का रिकॉर्ड रखते हुए, शेल्टन 21वीं सदी में जन्मे आठवें और 100 जीत का आंकड़ा छूने वाले नौवें सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ी हैं। शेल्टन लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर

फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह विंबलडन में क्वार्टर फाइनल और पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी स्टैट्स के मुताबिक, इस साल हार्ड कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 16-7 का है, जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर भी है। पहले सेट में अपनी धाक जमाने के बाद, शेल्टन को दूसरे और तीसरे सेट में परेशानी का सामना करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने अपनी सर्विस का अच्छा बचाव करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी की मजबूत सर्विस पर दबाव बनाया। कोबोली ने दूसरा सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त पर मैच के लिए सर्विस की, लेकिन वहीं से चौथे वरीय शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 12वें गेम में मैच के लिए एक और ब्रेक का मौका बनाया। इसके बाद टाईब्रेक में कोबोली के सभी सर्विस प्वाइंट जीत लिए। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, मुझे लगता है कि मैच के अंत में मैंने रैली करने और रिटर्न को कोर्ट में लाने का अच्छा काम किया। मैं अपनी दो सबसे बड़ी ताकत, सर्विस और फर्स्ट-बॉल फोरहैंड के साथ जूझ रहा था, लेकिन आखिर में जीत हासिल करना मेरी मानसिक दृढ़ता और ऐसे पल में लड़ने की क्षमता को

Durand Cup 2025:

नामधारी एफसी का विजय अभियान जारी, भारतीय वायुसेना को 4-2 से हराया

कोलकाता, एजेंसी। नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबाल में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए भारतीय वायुसेना को 4-2 से हरा दिया। टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है।

नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबाल में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए भारतीय वायुसेना को 4-2 से हरा दिया। टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है। विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ागन में पहला गोल वायुसेना की ओर से सैमुअल ने 7वें मिनट में किया। उसके बाद नामधारी के लिए क्लेडसन (पेनाल्टी, 37वां मिनट), अमनदीप (45वां मिनट) औ दूसरे हाफ में धर्मप्रीत (60) और स्थानापन्न सेलिंगथांग (74 वां मिनट) ने नामधारी को 4-1 से आगे कर दिया। वायुसेना के लिए दूसरा गोल संकित ने 78वें मिनट में किया लेकिन यह गोल टीम की वापसी नहीं करा सका।

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी चोटिल

- अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हुए; नेक्शाका के खिलाफ मैच में चोट लगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटर मियामी के कप्तान लियोनल मेसी को दाहिने पैर की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह चोट मेसी को शनिवार को मेक्सिको की टीम नेक्शाका के खिलाफ लीग्स कप मैच के दौरान लगी। मेसी की चोट के बावजूद, इंटर मियामी ने नेक्शाका के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत हासिल की। मेडिकल रिपोर्ट में मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि मेसी को केवल 11वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि वे खुद अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम तक गए, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। इंटर मियामी के बयान के अनुसार,रिपोर्ट में मेसी के दाहिने पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि हुई है। उन्हें खेलने की अनुमति उनकी मेडिकल स्थिति और उपचार पर प्रतिक्रिया के आधार पर दी जाएगी। मेसी MLS 2025 के टॉप गोल स्कोरर मेसी इस सीजन में इंटर मियामी के लिए 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट कर चुके हैं।

वह MLS (मेजर लीग शॉकर) के टॉप स्कोरर की सूची में फिलहाल पहले स्थान पर हैं। इंटर मियामी की स्थिति इंटर मियामी वर्तमान में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में 12 जीत, 4 हार और 6 ड्रॉ के साथ 42 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। वे शीर्ष पर मौजूद फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे हैं, लेकिन उनके पास तीन अतिरिक्त मैच बाकी हैं। लीग्स कप क्वालिफिकेशन के लिए स्र्ल्स स्टैंडिंग में इंटर मियामी 5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उन्हें बुधवार को UNAM पुमास के खिलाफ जीत की जरूरत है।

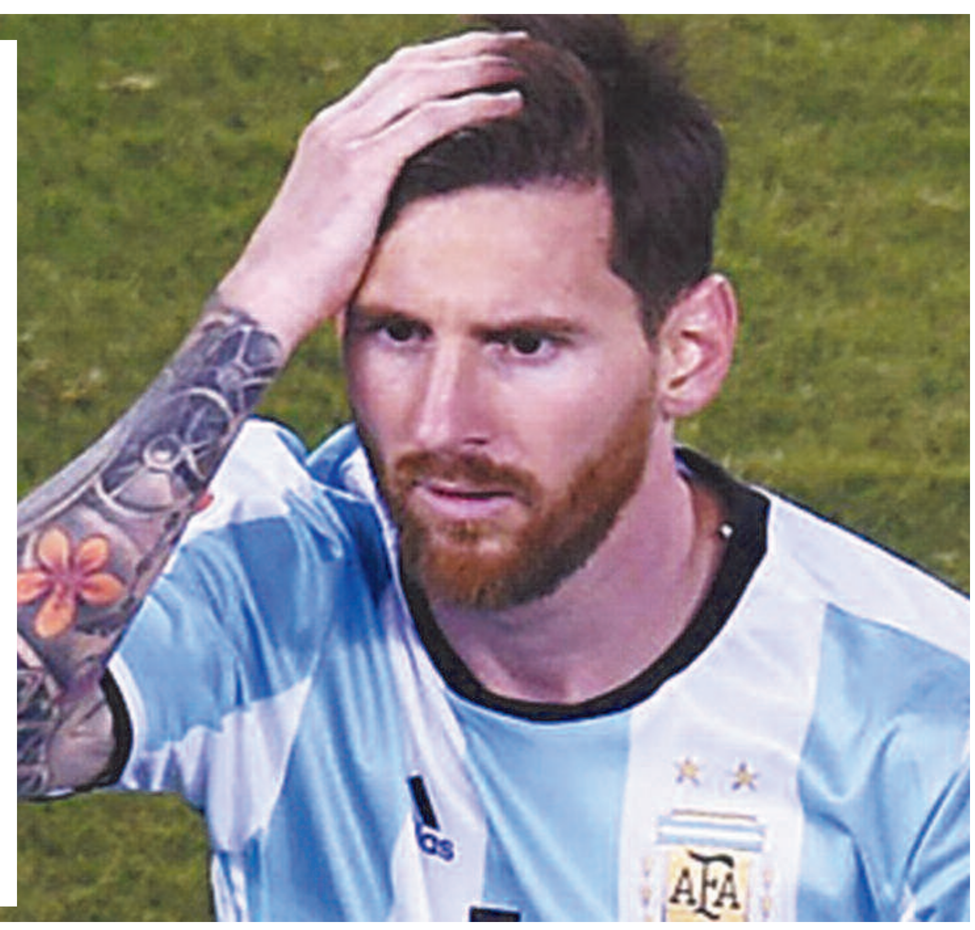

आर्चरी लीगः

भारतीय तीरंदाजी संघ ने तीरंदाजी लीग के पहले सत्र की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने सोमवार को पहली तीरंदाजी लीग की घोषणा की जिसमें दुनिया भर के महिला और पुरूष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में भाग लेंगे। लीग का पहला सत्र दिल्ली के यमुना खेल परिसर में अक्टूबर में आयोजित हो सकता है जो 11 दिन तक चलेगा । इसे

विश्व तीरंदाजी, विश्व तीरंदाजी एशिया और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है।

विश्व तीरंदाजी के महासचिव टॉम डीलेन ने कहा ,'' इस पहल से भारतीय और विदेशी तीरंदाजों में प्रतिस्पर्धी भावना विकसित होगी और उनके प्रदर्शन में और निखार आयेगा । इससे वे भविष्य में बेहतर तीरंदाज बन सकेंगे ।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट : 93 साल में पहली बार ! एक सीरीज में पांच भारतीयों के 400+ रन

बल्लेबाज	पारी	रन	औसत	100s / 50s
शुभमन गिल	10	754	75.4	4 / 0
केएल राहुल	10	532	53.2	2 / 2
रवींद्र जडेजा	10	516	86	1 / 5
ऋषभ पंत	7	479	68.43	2 / 3
यशस्वी जायसवाल	10	411	41.1	2 / 2

लंदन, एजेंसी। गिल एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज (चौके-छक्के) लगाने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर 97 बाउंड्रीज लगाईं। इनमें 85 चौके और 12 छक्के शामिल हैं। भारत ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल शामिल रहे। वहीं, गिल ने वेस्टइंडीज के महान सर गैरी सोबर्स का 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार

टीम इंडिया 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है और 93 साल में पहली बार एक टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे रहे शुभमन गिल, जिन्होंने 10 पारियों में 754 रन ठोके। उनके बाद केएल राहुल ने 10 पारियों में 532 रन, रवींद्र जडेजा ने 516 रन, ऋषभ पंत ने सिर्फ सात पारियों में 479 रन और यशस्वी जायसवाल ने 10 पारियों में 411 रन बनाए। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय बल्लेबाजों की निरंतरता और सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ विरोधी टीम पर दबाव बनाया, बल्कि यह दिखाया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।